राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 19 सितंबर 2022 वर्ष-5,अंक-233 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लड़की ने खुद अपना वीडियो बनाकर किया वायरल, सुसाइड की बात अफवाह

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी बवाल पर पुलिस

चंडीगढ़। पंजाब की चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की छात्राओं के नहाते समय का वीडियो वायरल होने पर बवाल मच गया है। इस मामले पर विश्वविद्यालय के छात्रों ने शनिवार रात जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस घटना से संबंधित लोगों की जान जाने और घायल होने का आरोप लगाया है। वहीं, मोहाली के एसएसपी विवेक शील सोनी ने इस मामले में किसी मौत के दावे से इनकार किया है।

एसएसपी विवेक शील सोनी ने कहा, कल शाम एक मामला सामने आया था कि एक लड़की ने वीडियो बनाया था। बाद में अफवाह फैली की और भी वीडियो बनाए गए हैं। इसके लिए यहां के कुछ छात्रों ने प्रदर्शन किया। मामले में स्रढ्ढक्रलिखी गई है। आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। यहां पर किसी की मृत्यु नहीं हुई है।

एसएसपी बोले- फोरेंसिक सबूत इकट्ठा किए जा रहे

मोहाली के एसएसपी ने सुसाइड की कोशिश के दावे को भी गलत बताया है। उन्होंने कहा, छात्रों के मेडिकल रिकॉर्ड्स हासिल कर लिए गए हैं। मेडिकल रिकॉर्ड्स के मुताबिक, किसी ने भी सुसाइड की कोशिश नहीं की है। फोरेंसिक सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

जो वीडियो है वो उसकी खुद की है-एसएसपी सोनी

एसएसपी विवेक शील सोनी ने कहा, अब हम मामले में विस्तृत जांच कर रहे हैं। हमारे पास जो भी जानकारी और वीडियो है उसकी फोरेंसिक जांच करवा रहे हैं। हमने अभी तक जो जांच की है, उसमें यह बात साफ आती है कि जो वीडियो है वो उसकी खुद की है, उसके अलावा किसी और की कोई वीडियो नहीं है।

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा-स्कूल शिक्षा मंत्री-पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के छात्रों से शांत रहने की अपील की है और उन्हें आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, इस मामले पर पंजाब राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष मनीषा गुलाटी का भी बयान आया है। गुलाटी ने कहा, यह गंभीर मामला है, यह बहुत दुखद है। इस मामले की जांच की जा रही है। मैं यहां सभी छात्रों के माता-पिता को आश्वस्त करने के लिए हूं कि आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

ये गहन जांच का विषय-महिला आयोग-जिस लड़की ने ये वीडियो वायरल किया, उस पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए धारा 354 आईटी के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कड़ी कार्रवाई होगी... अगर ये सब पहले से चल रहा था तो मैं आपको आश्वासन देती हूं कि ये गहन जांच का विषय है और इस मामले पर मेरी नजर रहेगी। इस मामले में झूठ फैलाया गया कि कुछ बच्चियों ने आत्महत्या कर ली है। ये सब अफवाह है, ना किसी बच्ची ने आत्महत्या किया है और ना ही कोई अस्पताल में है।

दक्षिण के 5 राज्यों की 129 सीटों पर भाजपा की नजर; सबसे कड़ी लड़ाई तेलंगाना में

नई दिल्ली। भाजपा ने 2024 के चुनावी रण के लिए अपनी ताकत दक्षिण के पांच राज्यों में झोंकने की तैयारी कर ली है। केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र और तमिलनाडु में लोकसभा की 129 सीटे हैं। भाजपा यहां संघ पृष्ठभूमि वाले चेहरों, परंपरागत वंशवादी पार्टियों के असंतुष्ट नेताओं को साथ लेने के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय गैर-राजनीतिक प्रतिभाओं की लोकप्रियता का सहारा लेने की रणनीति पर चल रही है। भाजपा की हैदराबाद में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मिशन साउथ का रोडमैप तय किया गया।

भाजपा के मिशन साउथ पर केसीआर और स्टालिन निशाने पर

इसके तहत आने वाले 18 महीने को 6-6 माह के तीन चरणों में बांटकर इस अभियान को गति दी जाएगी। भाजपा का मानना है कि उत्तर में ग्रोथ सेचुरेशन के बाद अब दक्षिण में जमीन बनानी होगी। इसी रणनीति के तहत भाजपा ने केरल से पीटी ऊषा, आंध्र से विजयेंद्र प्रसाद, कर्नाटक से वीरेंद्र हेगड़े और तमिलनाडु से इलैया राजा को राज्यसभा भेजा है। मिशन साउथ में भाजपा के मुख्य निशाने पर तेलंगाना में टीआरएस नेता केसीआर और तमिलनाडु में द्रमुक नेता एमके स्टालिन हैं।

साउथ स्टेट के लिए भाजपा ने बनाया नया प्लान

भाजपा 2018 में विधानसभा चुनाव में तेंलगाना में एक सीट जीती और उसका वोट शेयर 7 प्रतिशत था। जबकि 2019 के आम चुनाव में पार्टी ने 4 लोकसभा सीटें जीतीं और वोट 19.7 प्रतिशत हो गया। 2016 में हैदराबाद महानगर पालिका चुनाव में भाजपा की 4 सीटें थीं जो 2020 में 48 हो गईं। 35 फीसदी वोट के साथ भाजपा और टीआरएस बराबरी पर आ गई। भाजपा ने 2017 की ओडिशा कार्यकारिणी में तय मिशन कोरोमंडल ईस्ट इंडिया से प. बंगाल और ओडिशा को अलग कर दिया है।

जहां हुई थी साइरस मिस्त्री की मौत, वहां इस साल जा चुकी है 62 लोगों की जान

मुंबई । महाराष्ट्र में इस महीने की शुरुआत में पालघर जिले में एक कार दुर्घटना में टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की मौत हो गई थी। कार दुर्घटना में साइरस मिस्त्री की मौत की खबर ने सबको झकझोर कर रख दिया था। साइरस मिस्त्री की मौत जिस जगह पर हुई थी, वहां अब तक कई जानें जा चुकी है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस राजमार्ग पर इस साल 262 दुर्घटनाएं हो चुकी है, जिसमें करीब 62 लोगों की मौत हुई है।

इस साल 262 दुर्घटनाएं हुई

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ठाणे के घोडबंदर और पालघर जिले के दपचारी के बीच मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग के 100 किलोमीटर लंबे हिस्से में इस साल 262 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिसमें कम से कम 62 लोगों की मौत हुई है और 192 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से कई घटनाएं वाहन की रफ्तार तेज होने और चालक के निर्णय की त्रुटि से हुई है। हालांकि इसके पीछे सड़क का खराब रखरखाव, सड़क पर लगे संकेतों की कमी और रफ्तार पर ब्रेक लगाने के उपायों की कमी को भी जिम्मेदार माना गया है।

4 सितंबर को हुआ था हादसा

महाराष्ट्र हाइवे पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि चरोटी के पास इस साल के शुरुआत से अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी जगह पर 4 सितंबर को साइरस मिस्त्री की कार दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि इस दौरान चिंचोटी के पास 34 गंभीर दुर्घटनाओं में 25 लोगों की मौत हुई है, जबकि मनोर के पास 10 दुर्घटनाओं में 11 लोगों की मौत हुई है।

चरोटी के पास बना ब्लैक प्वांइट

पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस सड़क पर चरोटी से लेकर मुंबई की ओर 500 मीटर की दूरी तक एक ब्लैक प्वांइट बन चुका है, जहां अधिकांश दुर्घटनाएं हुई है। उन्होंने कहा कि सड़क सूर्य नदी के पुल से पहले मुड़ जाती है और तीन लेन का कैरिजवे दो लेन में सिमट जाता है। बता दें कि साइरस मिस्त्री के साथ दुर्घटना में उनके दोस्त जहांगीर पंडोले की मौत हो गई थी, जबकि कार चला रही अनाहिता और उनके पति डेरियस गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

महिला आरक्षण पर शरद पवार के बिगड़े बोल

उत्तर भारत की मानसिकता पर सवाल; कांग्रेस को भी दिखाया आईना

मुंबई। महाराष्ट्र के नेता अक्सर उत्तर भारत को लेकर बयान देते रहते हैं। ताजा बयान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार का सामने आया है। उन्होंने कहा है कि उत्तर भारत और संसद की मानसिकता अभी भी लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के अनुकूल नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को पुणे में डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही है। इस कार्यक्रम में उनकी बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले भी मौजूद थीं। शरद पवार महिला आरक्षण विधेयक से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसका उद्देश्य लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना है। इस विधेयक

को अभी भी संसद में पारित किया जाना बाकी है। शरद पवार ने कहा कि वह इस मुद्दे पर संसद में तब से बोल रहे हें, जब से वह कांग्रेस के लोकसभा सदस्य थे।

कांग्रेस को भी दिखाया आईना

उन्होंने कहा, महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद की मानसिकता, विशेष रूप से उत्तर भारत की अनुकूल नहीं रही है। मुझे याद है कि जब मैं कांग्रेस का लोकसभा सदस्य था तो मैं संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण के मुद्दे पर बात करता था। एक बार अपना भाषण पूरा करने के बाद मैं पीछे मुड़ा और देखा कि मेरी पार्टी के अधिकांश सांसद उठकर चले गए। इसका मतलब है कि मेरी पार्टी के लोगों के लिए भी यह पचने योग्य नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैं महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री था, तो जिला परिषद और पंचायत समिति जैसे स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण की शुरुआत की गई थी। शुरू में इसका विरोध किया गया, लेकिन बाद में लोगों ने इसे स्वीकार कर लिया।

राहुल गांधी का पीएम मोदी से सवाल पूछा

8 चीते तो आ गए, ये बताइए 8 सालों में 16 करोड़ रोजगार क्यों नहीं आए

नई दिल्ली। भारत में चीते के आगमन को लेकर अब सियासत भी शुरू हो गई है। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को भी बेरोजगारी पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया- 8 चीते तो आ गए, अब ये बताइए, 8 सालों में 16 करोड़ रोजगार क्यों नहीं आए? भारत जोड़ो यात्रा अभियान के दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि देश बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहा है, लेकिन पीएम जंगल में चीतों को रिहा करने में व्यस्त हैं।

वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हमारा शेर भारत जोड़ो यात्रा पर निकला हुआ है तो भारत तोड़ने वाले विदेश से अब चीते ला रहे हैं। दूसरी ओर सपा अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने चीते की एक वीडियो ट्वीट कर चुटकी ली। उन्होंने लिखा- सबको इंतजार था दहाड़ काज्पर ये तो निकला बिल्ली मौसी के परिवार का।

राहुल बोले- खुशी है चीतों को फिर से लाया जा रहा है

कार्यक्रम में कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम को अपना समय देश की समस्याओं को सुलझाने में लगाना चाहिए, लेकिन वह चीतों की तस्वीरें खींचने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा- मुझे चीतों से कोई समस्या नहीं है, उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। और मुझे खुशी है कि चीतों को फिर से लाया जा रहा है, लेकिन पीएम को लाखों बेरोजगार युवाओं पर भी ध्यान देना चाहिए। दो दिन पहले AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी चीतों के भारत में आने पर बीजेपी और पीएम मोदी पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि देश में जब हम बेरोजगारी की बात करते हैं, मोदी चीता को भी पीछे छोड़ देते हैं।

उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था देश और दुनिया के लिए एक नजीर-योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा किप्रदेश की कानून-व्यवस्था देश और दुनिया के लिए एक नजीर बनती हुई दिखाई दी है। मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां अपने पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास से पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत 56 जिलों के लिए मॉडर्न प्रिजन वैन (कैदी वाहन) को हरी झंडी दिखाने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था देश और दुनिया के लिए एक नजीर बनती हुई दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की चर्चा करते हैं और उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि जो राज्य सबसे संवेदनशील माना जाता था, 2017 से पहले जिस राज्य में दंगे फसाद, अराजकता, गुंडागर्दी चरम पर मानी जाती थी,वहां कानून का राज स्थापित है। बिना

नाम लिए विपक्षी दलों की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले पुलिस भागती थी और अपराधी दौड़ाते थे,लेकिन आज कानून के साथ खिलवाड़ करने वाले कोई भी व्यक्ति हो उसे मालूम है कि कानून की क्या कीमत होती है और उसे कानून का भय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत पांच वर्ष के अंदर देश में आबादी के लिहाज से सबसे बड़े राज्य में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए पुलिस आधुनिकीकरण की जो प्रक्रिया हम लोगों ने प्रारंभ किया था, माडर्न प्रिजन वैन उसी श्रृंखला का एक हिस्सा है। 56 मॉडर्न प्रिजन वैन को गृह विभाग को समर्पित करते हुए मुझे अत्यंत आनन्द की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले पुराने वाहनों से कैदियों को जेल ले जाया जाता था जिसमें तकनीक का अभाव था और उससे या तो कैदी भाग जाते थे या आपराधिक गिरोह हमला करके कैदियों को छुड़ा लेते थे, लेकिन उपलब्ध कराए जा रहे 56 मॉडर्न प्रिजन वैन हर तकनीक से युक्त हैं।'' उन्होंने कहा कि इसमें पुलिसकर्मी सुरक्षित रहेंगे ही, कैदी को भी जेल से अदालत और अदालत से जेल तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। अब तक के प्रयासों की चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि प्रदेश में 25 करोड़ की आबादी को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से और उनके मन में सुरक्षा का अहसास कराने की दृष्टि से सरकार ने अनेक कदम उठाये हैं, फिर चाहे वह पुलिस भर्ती की पारदर्शी प्रक्रिया हो, या उन्हें प्रशिक्षित कर व्यावसायिक दृष्टि से दक्ष बनाने से लेकर तमाम प्रभावी कदम हो।

योगी ने कहा कि भर्ती की प्रक्रिया में एक लाख 56 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती समयबद्ध ढंग से पूरा करते हुए रिक्तियों को न केवल दूर किया गया बल्कि पुलिस बल के आधुनिकीकरण और उन्हें तकनीक से भी लैस किया गया।

महाकाल मंदिर में भक्तों ने दिल खोलकर किया दान, एक साल में मिला 81 करोड़ का चढ़ावा

उज्जैन। उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर ने इस साल दान प्राप्त करने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। मंदिर प्रशासन के अनुसार इस वर्ष रिकॉर्ड 81 करोड़ का दान मिला है। दानपेटी, दान रसीद और लड्डू प्रसाद के साथ ही मंदिर की धर्मशाला से प्राप्त हुआ है। इस बार मिला दान पिछले साल के मुकाबले डबल बताया जा रहा है। यह महाकालेश्वर मंदिर का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया जा रहा है।

मध्यप्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए हर रोज देश विदेश से हजारों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं। देश के हर राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आकर दर्शन लाभ लेते हैं। भगवान महाकाल के प्रति आस्था श्रद्धा के कारण ही श्रद्धालू उद्योगपति हो या मजदूर अपनी हैसियत के मुताबिक भगवान के चरणों में दान अर्पित करते हैं। मंदिर में दान भेंट पेटी में नगद राशि, दान के लिए दिए चेक, ऑनलाइन भुगतान, पूजन अभिषेक की रसीद से, बाबा महाकाल के लड्डू प्रसाद और मंदिर की धर्मशाला में ठहर कर श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का खजाना भरा है।

अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

1 सितंबर 2021 से लेकर 1 सितंबर 2022 तक एक वर्ष के दौरान महाकाल मंदिर में 81 करोड़ से अधिक का दान आया है। इतनी बड़ी राशि दान आने का यह अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा है। महाकाल मंदिर ने दान राशि में दान पेटी, दान रसीद और लड्डू प्रसाद के साथ ही मंदिर की धर्मशाला से प्राप्त आय शामिल की है।

बाबा महाकाल का दरबार लाखों श्रद्धालुओं की श्रद्धा-भक्ति, प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में सबसे बड़े कॉरिडोर और प्रतिवर्ष करोड़ों की आय वाले मंदिरों में शुमार है। उज्जैन के महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं ने इस वर्ष दिल खोल कर दान किया और महाकाल मंदिर को रिकॉर्ड तोड़ आय मिली है। इस एक वर्ष में 81 करोड़ के करीब दान मंदिर समिति को मिला है।

लॉकडाउन में कम हुई थी आय

लॉक डाउन के समय मंदिर बंद था इसलिए मंदिर में दान की आय नहीं हुई थी लॉक डाउन जैसे ही हटा मंदिरों में श्रद्धालुओं ने दिल खोलकर दान किया। 1 सितम्बर, 2021 से 15 सितम्बर, 2022 तक दान से 53 करोड़ 30 लाख 43 हज़ार 4 सो इक्यान्नबे रूपए की आय हुई है। वहीं लड्डू प्रशाद से 27 करोड़ 25 लाख 2 हज़ार सत्तर रूपए की आय हुई और धर्मशाला से 45 लाख 25 हज़ार 4 सौ पैंतालीस रूपए की आय हुई है। यह आय पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी है।

कोरोना संक्रमण प्रतिबन्ध हटने के बाद रिकॉर्ड तोड़ हुई आय

उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर में वर्ष भर भीड़ रहती है। बीते दो वर्ष कोरोना के कारण महाकाल मंदिर को आम श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया था। जैसे ही लॉक डाउन हटा और प्रतिबंध समाप्त होने के बाद तो पर्व, त्योहारों के साथ ही सामान्य दिनों में ही महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने लगी श्रद्धालुओं की श्रद्धा ने बाबा महाकाल के खजाने को पिछले वर्षो की तुलना में दोगुना भर दिया है। महाकाल मंदिर में 1 सितंबर 2021 से 15 सितंबर 2022 के दौरान एक वर्ष 14 दिन में यह दान राशि मंदिर के अलग अलग तरीके से मंदिर के खजाने में जमा हुई बड़ी आय जो अब तक का एक बड़ा रिकॉर्ड माना जा रहा है।

इस साल दर्शन करने में आई परेशानी

मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ ने बताया की मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों की दर्शन व्यवस्था के लिए पिछले एक वर्ष के दौरान कठिनाई भी सामने आई। कारण था कि मंदिर विस्तारीकरण का कार्य शुरू हो चुका था। ऐसे में उपलब्ध व्यवस्था के तहत ही आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन लाभ दिलाया गया। भगवान महाकाल की श्रद्धा-भक्ति में रचे बसे भक्तों ने दान के माध्यम से रिकॉर्ड बना दिया। हमने केवल प्रयास किए यह सब बाबा महाकाल का चमत्कार है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दलबदल की दलदल

गाहे-बगाहे देश के विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के विधायकों को येन-केन-प्रकारेण भाजपा में मिलाने की मुहिम से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को लेकर कोई अच्छा संदेश नहीं जाता। वहीं दूसरी इससे भाजपा की राजनीतिक शैली की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत जोड़ो अभियान की अगुआई कर रहे कांग्रेसी नेतृत्व के लिये खबर चिंता बढ़ाने वाली है कि गोवा में उसके आठ विधायक टूटकर भाजपा में शामिल हो गये। निस्संदेह, इस घटनाक्रम के राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसके लिये ऐसे समय को चुना गया जब राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा देश का ध्यान खींच रही है। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि यह सबकुछ स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं है। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों के विधायकों को येन-केन-प्रकारेण भाजपा में मिलाने की मुहिम से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को लेकर कोई अच्छा संदेश नहीं जाता। वहीं दूसरी इससे भाजपा की राजनीतिक शैली की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यही वजह है कि राजग के कई पुराने सहयोगी दलों ने भाजपा से किनारा कर लिया। शिवसेना से शुरू हुई इस आशंका से अलगाव की कवायद हाल ही में जदयू के अलगाव के रूप में सामने आयी है। गोवा की तरह विधायकों को भाजपा में शामिल करने का यह खेल पिछले दिनों पूर्वोत्तर राज्यों, कर्नाटक व मध्यप्रदेश में भी देखने में आया। जिसे लोकतंत्र में जनता के विश्वास से छल ही कहा जायेगा कि जनप्रतिनिधि जनता से किसी पार्टी के नाम पर वोट मांगता है और फिर दूसरे राजनीतिक दल की बांह पकड़ लेता है। जिससे विभिन्न राजनीतिक दलों के सहयोगियों में भी अविश्वास बढ़ा है। निस्संदेह,यह घटनाक्रम भारतीय राजनीति में नैतिक मूल्यों के पराभव का चित्र भी उकेरता है। जो बताता है कि सत्ता में आने की बेचैनी जनप्रतिनिधियों को किसी भी हद तक ले जा सकती है। फार्म हाउसों और गेस्ट हाउसों में घेर कर ले जाये जाते विधायक इस दयनीय स्थिति को ही उजागर करते हैं। जो राजनीतिक पंडितों के लिये अध्ययन का विषय होना चाहिए कि विपक्ष में बैठने में विधायकों में बेचैनी क्यों होती है और वे स्वार्थों के लिये जनता के विश्वास से छल क्यों करते हैं। यूं तो देश का राजनीतिक इतिहास बताता है कि केंद्रीय सत्ता में आये राजनीतिक दल धनबल और सरकारी एजेंसियों के जरिये भयादोहन करके विपक्ष को कमजोर करने का उपक्रम करते ही रहे हैं। कांग्रेस पार्टी भी इससे अछूती नहीं रही है। राजनीतिक इतिहास के पन्नों पर नजर डालें तो पता चलता है कि रातों-रात कैसे सरकारें गिराई जाती थी और थोक में राज्यपाल बदले जाते थे ताकि केंद्रीय सत्ता का निष्कंटक मार्ग स्थापित हो सके। राजनीति की इन कुप्रथाओं का विस्तार वर्तमान राजग सरकार के दौर में भी दिखायी दे रहा है। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के जरिये विपक्षी नेताओं की कमजोर नस पर हाथ रखा जा रहा है। यूं तो राजनीति के हमाम में तमाम राजनेता गाहे-बगाहे बेनकाब होते रहते हैं लेकिन विडंबना यह है कि ये राजनेता जब भाजपा में शामिल होते हैं तो पूरी तरह पाक-साफ बन जाते हैं। सवाल यह भी कि क्या सरकारी एजेंसियों को कोई सत्तारूढ़ दल का दागी नेता नजर नहीं आता? जो विगत में विपक्ष में रहते हुए दागदार बताया जाता था। बहरहाल, प्रलोभन व भयादोहन से विपक्ष को कमजोर करने की राजनीति लोकतंत्र के हित में नहीं कही जा सकती। सजग व सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त भी है। जो सत्ता पक्ष को निरंकुश होने व भटकने से बचाता है। वहीं कांग्रेस भी आत्ममंथन करे कि वह वैचारिक स्तर पर इतनी कमजोर क्यों हो गई है कि वह अपने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को एकजुट नहीं रख पा रही है। ऐसे वक्त में जब अगले आम चुनाव में समय कम ही रह गया, कांग्रेस को पार्टी में मची भगदड़ को रोकने के लिये गंभीरता से विचार करना होगा। वह सोचे कि पार्टी के बड़े-बड़े दिग्गज नेता पार्टी से किनारा क्यों कर रहे हैं। कहीं पार्टी के भीतर लोकतंत्र कमजोर तो नहीं हुआ है? निस्संदेह कांग्रेस की पदयात्रा आगे बढ़ते हुए देश का ध्यान खींच रही है, लेकिन पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिये अतिरिक्त प्रयास जरूरी हैं अन्यथा पार्टी की विश्वसनीयता का संकट गहराता ही जायेगा।

कार्टून

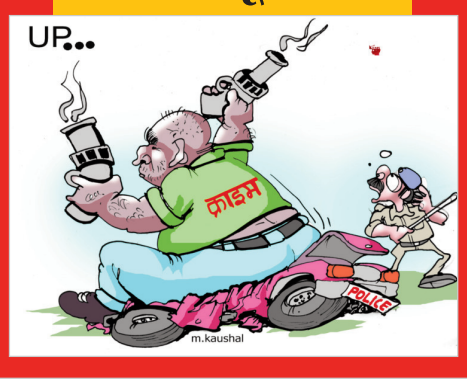

लॉफिंग ज़ोन

पुलिस ने एक चोर को पकड़ा।

तब पुलिस के पास हथकड़ी नहीं थी। चोर ने कहा, 'मैं हथकड़ी लेकर आता हूं। आप यही रूकिए।' पुलिस वाला बोला। 'मुझे बेवकूफ बनाता है? तू यही रूक मैं हथकड़ी लेकर आता हूं।'

□ □ □

अध्यापक (सोना से), 'तुम्हारे पिता जी का नाम क्या हैं?'

सोना, 'बेटा शाम लाल।'

अध्यापक, 'यह कैसा नाम?' सोना, 'पता नहीं। दादी उन्हें यही कह कर बुलाती हैं।'

□ □ □

कंजूस सेठ नौकर से, 'मुझे नौकर तो चाहिए पर बहुत कंजूस।'

नौकर ने कहा, 'साहब मैं तो कंजूसी में माहिर हूं। मैं इसी कारण तो पिछले घर से बाहर हुआ।'

सेठ ने पूछा, 'कैसे?'

'साहब मैं अपने कपड़े फटने एंव गंदे होने के डर से पहनता ही नहीं था।'

सेठ चौका, 'क्या?'

नौकर ने कहा, 'नहीं-नहीं,कपड़े तो पहनता था पर मालिक के चुराकर।'

□ □ □

ग्राहक, 'क्यों भई, ये टमाटर ताजा हैं न?'

दुकानदार, 'बिलकुल ताजा हैं, साहब दस दिन से बेच रहा हूं।'

भारतीय नौसेना का भूला बिसरा सुनहरा पन्ना

लेखक - सी. उदय भास्कर

कई विशेषज्ञों की इस विषय पर राय अलग हो सकती है कि क्या मराठों की नौसैन्य क्षमता जलीय न होकर अधिकांशतः तटीय थी? किंतु मराठा नौसेना प्रमुख कान्होजी आंग्रे (1669-1729) एक सख्तजान समुद्री योद्धा थे और दुश्मन के विशालकाय जहाजों को छोटे जहाजों से घेरकर बर्रों की तरह टूट पड़ने की उनकी रणनीति शायद दुनिया के आरंभिक उदाहरणों में एक थी, जिसका पता पुर्तगालियों के समुद्री बेड़े के हश्र से चलता है।

समुद्री नौवहन क्षमता को बढ़ाने के वास्ते प्रधानमंत्री मोदी के यत्न काबिलेतारीफ हैं वर्ना हम अपनी अपार सागरीय क्षमता का न्यूनतम फायदा ही उठा पा रहे हैं और यह स्थिति हमारे समृद्ध नौवहनीय इतिहास से मेल नहीं खाती। पहले स्वदेश निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर - आईएनएस विक्रांत के सेवा-आरंभ समारोह में प्रधानमंत्री के चरित्र की पहचान बन चुके जोश की इस मौके पर झलक साफ दिखाई दी। इस अवसर पर मोदी जी ने कहा - 'वैदिक काल से लेकर गुप्त एवं मौर्य काल तक भारत की नौवहनीय ताकत दुनियाभर में जानी जाती थी। छत्रपति वीर शिवाजी महाराज ने ऐसी सशक्त नौसेना बनाई जिससे दुश्मन कांपते थे'। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नौसेना में नया प्रतीक ध्वज शामिल करते हुए कहा : 'मैं यह नया ध्वज नौसेना के पितामह छत्रपति वीर शिवाजी को समर्पित करता हूं'। मध्ययुगीन भारतीय इतिहास में गौरवमयी स्थान रखने वाले इस मराठा योद्धा सम्राट की सागरीय श्रेष्ठता का ऐसा आभामय यशगान सच्ची तारीफ है। कई विशेषज्ञों की इस विषय पर राय अलग हो सकती है कि क्या मराठों की नौसैन्य क्षमता जलीय न होकर अधिकांशतः तटीय थी? किंतु मराठा नौसेना प्रमुख कान्होजी आंग्रे (1669-1729) एक सख्तजान समुद्री योद्धा थे और दुश्मन के विशालकाय जहाजों को छोटे जहाजों से घेरकर बर्रों की तरह टूट पड़ने की उनकी रणनीति शायद दुनिया के आरंभिक उदाहरणों में एक थी, जिसका पता पुर्तगालियों के समुद्री बेड़े के हश्र से चलता है। इस रणनीति की दुर्लभ तारीफ करते हुए 20वीं सदी के आरंभ में ब्रिटिश इतिहासकार, सीए किनकैड ने कान्होजी आंग्रे को अपने वक्त की बड़ी नौसैन्य शक्तियों जैसे कि अंग्रेज, डच और पुर्तगाल, सब पर एक-समान विजय पाने वाला महानायक बताया है, जिनकी तूती अरब सागर में बोला करती थी। मराठा नौसेना के इतिहास के इस अध्याय को जिंदा रखने के लिए भारतीय नौसेना ने अपने तटीय संस्थानों का नाम इतिहास के नायकों को समर्पित किया है, मुंबई में आईएनएस आंग्रे और लोनावला में आईएनएस शिवाजी (एक प्रमुख नौसैन्य इंजीनियरिंग प्रशिक्षण केंद्र) है। शिवाजी के समकालिक केरल के राजा ज़मोरीन थे, इन्होंने भी नौसेना में अच्छा-खासा निवेश किया था। उन्होंने मरक्कड़ों की सेवाएं ली, जिनकी वंशावली एक समय मिस्र की नामी जल-सैनिक जाति से जुड़ी थी, वे ज़मोरिन हुकूमत के हितों की रक्षार्थ नौसैन्य शक्ति प्रदान करते थे और इस कार्य में काफी सफल रहे। बतौर एडमिरल पूर्व नौसेनाध्यक्ष अरुण प्रकाश कहते हैं = 'लगभग आधी सदी तक समुद्र में पुर्तागालियों के दबदबे के विरुद्ध सैन्य अभियान चलाकर ज़मोरिनों और मरक्कड़ों ने इस कदर संतुलन बिगाड़ा कि उन्हें थककर उत्तर में गोवा को ठिकाना बनाना पड़ा'। नौसेना ने मुंबई में तटीय संस्थान का नामकरण आखिरी मरक्कड़ नौसेनापति के नामपर आईएनएस कुंजली रखकर उनका नाम चिरकालीन बनाया है। यहां प्रधानमंत्री द्वारा मौर्यकाल का जिक्र करना भी मौजूं है। रोम और मौर्य साम्राज्य के बीच ईसा पूर्व 325-180 में व्यापारिक संपर्क होने के पुख्ता सुबूत हैं। इतिहासकार प्लिनी ने भारत से सिल्क और मसालों के आयात की एवज में रोम का शाही खजाना खाली होने का जिक्र किया है। इतिहासकारों ने इस बाबत काफी लिखा भी है। आंध्र-सातवाहन (ईसा पूर्व 200-180) नामक एक अन्य राजवंश था। अपने वक्त में उनके समुद्री बेड़ों की पहुंच बहुत प्रभावशाली थी। लेकिन अफसोस कि हमारे पास उनके नौसैन्य इतिहास का सटीक रिकॉर्ड नहीं है। ईसा उपरांत पहली सहस्राब्दी में, चोल साम्राज्य (सन 900-1200) ने अपनी जलीय सीमाओं का विस्तार आधुनिक तमिलनाडु-कर्नाटक तटों से लेकर दक्षिण-पूरब एशिया और कुछेक हिंद महासागरीय द्वीपों तक किया। उनके पास गहरे महासागर में अभियान चलाने में सक्षम नौसैना थी जोकि व्यापारिक जहाज़ों को सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान करती थी। एक वक्त, बंगाल की खाड़ी को 'चोल झील' कहा जाता था। इतिहास की ये सुनहली उपलब्धियां मोदी जी के भाषण का हिस्सा बननी चाहिए थी। जहां भारत के पुरातन और मध्यकालीन इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया है और औपनिवेशिक शासकों द्वारा छांटकर चुनींदा व्याख्याएं की गईं वहीं 1947 के बाद पिछले 75 सालों में अनुसंधान और छात्रवृत्ति देने वाला तंत्र कुछ इस तरह फला-फूला कि राष्ट्रीय गौरव पर सीमाओं के परे की उपलब्धियों का उल्लेख गायब हुआ और जिक्र केवल अंदरूनी प्राप्तियों तक सीमित किया गया। अपनी जटिल और कई बार राष्ट्रनिर्माण की असमान प्रक्षेपपथ करते वक्त देश के संभ्रांत मुख्य ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र करते हुए ऐसी 'चमत्कृत' बातें भर देते हैं जो वास्तव में फैलाई गई धारणा होती हैं। नौवहनीय क्षेत्र में ऐसे दो उदाहारण विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। एक, वैश्विक मामलों में ब्रिटेन का दबदबा रहा और दूसरा, इसका औपनिवेशिक साम्राज्य नौसैन्य श्रेष्ठता के दम पर टिका रहा। जबकि यह ब्रिटेन की मुख्य पड़ोसी यूरोपियन शक्तियों, खासकर फ्रांस से, हुए अनेक युद्धों में ट्रैफैलगर युद्ध (1805) में मिली जीत थी, जो अंततः ब्रिटिश श्रेष्ठता स्थापित करने में फैसलाकुन बनी। इसके एक नायक, एडमिरल लॉर्ड नेल्सन के चरित्र को आधार बनाकर दशकों तक चमत्कृत करने वाली गाथाएं चलीं। एक औसत ब्रिटिश नागरिक अपने बचपन से ही, इतिहास के एक पन्ने के माध्यम से, उनकी बहादुरी से परिचित होता है, जो उन्होंने अपने बेड़े की अगुवाई करने में दिखाई थी और कैसे राष्ट्रीय गौरव की अनुभूति मानस पर इस तरह खुद-ब-खुद छप जाती है। एक समय में चीन भी औपनिवेशिक दोहन का शिकार बना था और 'अपमान के सौ साल' की ग्लानि से पार पाने के राष्ट्रीय प्रयासों के एक अंग के रूप में उन्होंने अपने समृद्ध इतिहास का सहारा लिया। इस हेतु चीन ने अपने नौसैन्य इतिहास का इस्तेमाल किया। एडमिरल झेन ही (1371-1433), जो कि एक ट्रांसजेंडर था और संयोग से जिसकी मौत जमोरीन राज्य के कोझीकोडे में हुई थी, उसे चीन के नौसैन्य इतिहास का गौरवमयी प्रतीक-नायक स्थापित किया गया। वर्ष 2002 में एक ब्रिटिश नौसेना अधिकारी गैविन मैंजिस का गल्प से भरा लेख प्रकाशित हुआ, शीर्षक था = '1421 = साल, जिसमें चीन ने दुनिया खोजी', यह अब गढ़ा हुआ किस्सा चीनी कहानियों का हिस्सा है। भारत ने अपना नौसैन्य इतिहास बताने के लिए शिवाजी-आंग्रे अध्याय को तरजीह देना चुना है। इतिहास-विरासत का तत्वांतरण जटिल है और हावी हुई राजनीतिक अनिवार्यताएं ऐतिहासिक प्रकरणों और इसके गहन अनुसंधान की ईमानदार खोज को शक्ल देती हैं। यही वजह है कि कुंजली को उस स्तर की मान्यता प्राप्त नहीं हुई, जिसके वह लायक थे, उनका जिक्र अधिक विस्तारित और तथ्यात्मक होना चाहिए। मोदी के नज़रिए को मूर्त रूप देने के लिए विद्यालयों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में भारतीय नौसैन्य इतिहास शामिल करना वांछित है। लेकिन यह आसान नहीं है क्योंकि शिक्षा राज्य सरकारों का विषय है। केंद्र की भूमिका की लकीर साफ परिभाषित है, फिर अनेकानेक क्षेत्रीय संवेदनाएं बीच में आ जाती हैं, लेकिन पाठ्यक्रम में प्रासंगिक क्षेत्रीय केंद्र-बिंदु के साथ राष्ट्रीय नौसैन्य इतिहास को शामिल करना पहला कदम हो सकता है। चाहे यह सातवाहन, चोल हो या मराठा, नई पीढ़ी- जिसे अगस्त 1947 तक के बारे में पूरी तरह पता नहीं है- उसकी खातिर भारतीय इतिहास में लंबे समय तक नज़रअंदाज़ रहे इन सबके काल की निष्पक्षता से पुनः खोज और याद बनाने की जरूरत है। लेखक सोसायटी फॉर पॉलिसी स्टडी के निदेशक हैं।

विचार मंथन

जंग से क्या हासिल

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

रूस ने पिछले दिनों यूक्रेन के खारकीव से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने का ऐलान किया था। उसके बाद से ही यूक्रेनी सेना आक्रामक है और तेजी से आगे बढ़ रही है। यही नहीं कुछ तस्वीरों में तो यह भी सामने आया है कि यूक्रेन की सेना ने रूसी डिफेंस लाइन को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। वहीं रूस का कहना है कि उसने खारकीव से अपने सैनिकों को इसलिए वापस बुलाया है क्योंकि उन्हें पूर्वी मोर्चे पर तैनात करना है। खबरों में कहा गया है कि यूक्रेन की सेना ने वेलिकी बुरलुक पर कब्जा जमा लिया है। यह कस्बा खारकीव से 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो यूक्रेन और रूस की सीमा से बहुत ज्यादा दूर नहीं है। यूक्रेन की सेना का दावा है कि उसने चकालोवस्के कस्बे को भी रूसी मिलिट्री के कब्जे से वापस ले लिया है। इसके अलावा अब रणनीतिक रूप से अहम प्रांत इजियम पर सबकी नजरें हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से एक मैप जारी किया गया था, जिसमें यह बताया गया था कि खारकीव के ज्यादातर हिस्से से रूस की सेना निकल गई हैं। हालांकि उसके अलावा कोई टिप्पणी रूसी सेना की ओर से नहीं की गई थी। यूक्रेन की सेना का कहना है कि अगले कुछ दिनों में हमारे नियंत्रण वाले इलाके में और इजाफा हो जाएगा। इसी साल मार्च में रूस की सेना को कीव से बाहर धकेलने के बाद से यूक्रेन की यह दूसरी बड़ी सफलता मानी जा रही है। कीव के बाद खारकीव यूक्रेन का सबसे अहम शहर माना जाता रहा है। बता दें कि फरवरी में रूस ने यूक्रेन पर हमला बोल दिया था और करीब 200 दिनों से दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है। बता दें कि बीती 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया था। रूस इसे स्पेशल ऑपरेशन का नाम देता है। यूक्रेन के सेना ने भी रूस का सामना किया। इस युद्ध में दोनों तरफ के काफी सैनिक मारे गए हैं बावजूद इसके यूक्रेन ने अब तक घुटने नहीं टेके हैं। वहीं पुतिन भले ही इस युद्ध से बहुत कुछ प्राप्त करने की बात कह रहे हैं लेकिन नाटो ने इस युद्ध के खिलाफ बड़ी गोलबंदी कर ली है। पूर्वी यूरोप में नाटो ने अपनी स्थिति मजबूत की है और अब स्वीडन और फिनलैंड को भी सदस्य बनाने की योजना बना ली है। जबकि रूस का यूक्रेन पर हमला करने के एक यह भी मकसद था कि नाटो को बढ़ने से रोका जाए। अब जबकि इस जंग को छह माह बीत चुके हैं, तो दोनों देशों और उनके हमदर्दों को इसे रोकने पर विचार करना होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के छह महीने पूरे होने के बीच यूरोपीय देशों में रूस से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने से कई छोटी और मझोली कंपनियां बंदी की कगार पर पहुंच गई हैं। इस वजह से बड़ी संख्या में लोगों के बेरोजगार होने का खतरा भी पैदा हो गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के छह महीने बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके विनाशकारी परिणाम नजर आने लगे हैं। तनावपूर्ण हालात में सुधार नहीं हुआ, तो आगे स्थिति और भी बिगड़ सकती है। इस युद्ध की वजह से न केवल प्राकृतिक गैस बहुत अधिक महंगी हो गई है, बल्कि इसकी उपलब्धता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। अगर रूस पश्चिमी प्रतिबंधों का बदला लेने के लिए यूरोप को आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर देता है, तो आने वाली सर्दियों में यूरोपीय देशों की परेशानी और भी बढ़ जाएगी। ऊंची खाद्य कीमतों से विकासशील दुनिया में व्यापक भूख और अशांति पैदा हो सकती है। रूस और यूक्रेन से उर्वरक और अनाज निर्यात बाधित होने से हालात खराब हो गए हैं। इस बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने एक साल से कम समय में चौथी बार वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अपने पूर्वानुमान को घटा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस भारी नुकसान के बाद भी पुतिन की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। जे यादातर रूसी जनता ने यूक्रेन में चल रहे युद्ध का या तो समर्थन किया है या फिर पुतिन के इस अभियान को चुपचाप देखा है। यही नहीं पुतिन की रेटिंग पर भी यूक्रेन युद्ध का कोई असर नहीं पड़ा है। रूस की सरकारी और स्वतंत्र दोनों ही एजेंसियों ने अपने सर्वेक्षण में पाया है कि 24 फरवरी से लेकर अब तक पुतिन की स्वीकृति रेटिंग 80 फीसदी बनी हुई है।

'कार्सिनोजेनिक टारबॉल'

पर्यावरण व जीवों के अस्तित्व को चुनौती

लेखक- पंकज चतुर्वेदी

इसी साल मई में गोवा के कई समुद्र तट तेलीय 'कार्सिनोजेनिक टारबॉल' के कारण चिपचिपा रहे थे। गोवा में सन् 2015 के बाद 33 ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। टारबॉल काले-भूरे रंग के ऐसे चिपचिपे गोले होते हैं, जिनका आकार फुटबॉल से लेकर सिक्के तक होता है। ये समुद्र तटों की रेत को भी चिपचिपा बना देते हैं। इनसे बदबू तो आती ही है। गोवा में 105 किलोमीटर के अधिकांश समुद्र तटों पर इस तरह की गंदगी आना बहुत आम बात है। इससे पर्यटन तो प्रभावित होता ही है, मछली पालन से जुड़े लोगों के लिए यह रोजी-रोटी का सवाल बन जाता है। इसका कारण है समुद्र में तेल या क्रूड ऑयल का रिसाव। कई बार यह रास्तों से गुजरने वाले जहाजों से होता है तो इसका बड़ा कारण विभिन्न स्थानों पर समुद्र की गहराई से कच्चा तेल निकालने वाले संयंत्र भी हैं। वैसे भी अत्यधिक पर्यटन और अनियंत्रित मछली पकड़ने के ट्रोलर समुद्र की सतह को लगातार तैलीय बना ही रहे हैं। हाल ही में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी (एनआईओ) ने एक अध्ययन में देश के पश्चिमी तट पर तेल रिसाव के लिए दोषी तीन मुख्य स्थानों की पहचान की है। इनसे निकलने वाला तेल पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी भारत के गोवा के अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक के समुद्र तटों को प्रदूषित करने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। इस शोध में सिफारिश की गई है कि 'मैनुअल क्लस्टरिंग' पद्धति अपनाकर इन अज्ञात तेल रिसाव कारकों का पता लगाया जा सकता है। दरअसल, गुजरात के प्राचीन समुद्र तट, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक मोड़ और गुजरात पश्चिमी तट पर सबसे व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय समुद्र जलीय मार्ग हैं जो तेल रिसाव के कारण खतरनाक टारबॉल के चलते गंभीर पारिस्थितिकीय संकट के शिकार हो रहे हैं। तेल रिसाव की मार समुद्र के संवेदनशील हिस्से में ज्यादा है। संवेदनशील क्षेत्र अर्थाते ् कछुआ प्रजनन स्थल, मैंग्रोव, कोरल रीफ्स (प्रवाल भित्तियां) वाले स्थान शामिल हैं। मनोहर परिंकर के मुख्यमंत्रित्व काल में गोवा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) की ओर से तैयार गोवा राज्य तेल रिसाव आपदा आपात योजना में कहा गया था कि गोवा के तटीय क्षेत्रों में अनूठी वनस्पतियों और जीवों का ठिकाना है। इस रिपोर्ट में तेल के बहाव के कारण प्रवासी पक्षियों पर विषम असर की भी चर्चा थी। लगातार चार वर्षों 2017 से 2020 (मार्च-मई) तक हासिल किए गए आंकड़ों के अध्ययन से पता चला कि तेल फैलाव के तीन हॉट स्पॉट ज़ोन है। विडंबना है कि लॉकडाउन के दौरान भी तेल उत्खनन और अंतर्राष्ट्रीय टैंकर यातायात पर कोई असर हुआ नहीं, जिससे तेल रिसाव यथावत रहा। समुद्र में तेल रिसाव की सबसे बड़ी मार उसके जीव जगत पर पड़ती है, व्हेल, डोल्फिन जैसे जीव अपना पारंपरिक स्थान छोड़ कर दूसरे इलाकों में पलायन करते हैं तो जल निधि की गहराई में पाये जाने वाले छोटे पौधे, नन्ही मछलियां, मूंगा जैसी संरचनाओं को स्थाई नुकसान होता है। कई समुद्री पक्षी मछली पकड़ने नीचे आते हैं और उनके पंखों में तेल चिपक जाता है और वे फिर उड़ नहीं पाते। तड़प-तड़प कर उनके प्राण निकल जाते हैं। यदि चक्रवात प्रभावित इलाकों में तेल रिसाव होता है तो यह तेल लहरों के साथ धरती पर जाता है, बस्तियों में फैलता है और यहां उपजी मछलियां खाने से इंसान कई गंभीर रोगों का शिकार होता है। तेल रिसाव का सबसे प्रतिकूल प्रभाव तो समुद्र के जल तापमान में वृद्धि है जो कि जलवायु परिवर्तन के दौर में धरती के अस्तित्व को बड़ा खतरा है। सनद रहे ग्लोबल वार्मिंग से उपजी गर्मी का 93 फीसदी हिस्सा समुद्र पहले तो उदरस्थ कर लेते हैं फिर जब उन्हें उगलते हैं तो ढेर सारी व्याधियां पैदा होती हैं। जब परिवेश की गर्मी के कारण समुद्र का तापमान बढ़ता है तो अधिक बादल पैदा होने से भयंकर बरसात, गर्मी के केन्द्रित होने से चक्रवात, समुद्र की गर्म भाप के कारण तटीय इलाकों में बेहद गर्मी बढ़ना जैसी घटनाएं होती हैं। 'असेसमेंट ऑफ क्लाइमेट चेंज ओवर द इंडियन रीजन' शीर्षक की यह रिपोर्ट भारत द्वारा तैयार अपनी तरह का पहला दस्तावेज है जो देश को जलवायु परिवर्तन के संभावित खतरों के प्रति आगाह करता है व सुझाव भी देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

30 से पहले डीमैट अकाउंट में ओटीपी टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जरूरी

नई दिल्ली ।

अशेयर बाजार में निवेश या ट्रेडिंग करते हैं तो 30 सितंबर से पहले डीमैट अकाउंट में लॉग इन के लिए ओटीपी टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जरूर करे अन्यथा ऐसा नहीं होने पर आप ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने जून में इस बारे में सर्कुलर जारी किया था। इसके अनुसार मेंबर्स को अपने डीमैट अकाउंट में लॉगिन करने के लिए एक ऑथेंटिकेशन फैक्टर के तौर पर बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन का उपयोग करना होगा। वहीं दूसरा ऑथेंटिकेशन नॉलेज फैक्टर हो सकता है। बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन में फिंगरप्रिंट स्कैनिंग, चेहरे की पहचान या आवाज की पहचान का उपयोग किया जाता है। जबकि नॉलेज फैक्टर में पासवर्ड, पिन या कोई पजेशन फैक्टर हो सकता है जिनकी जानकारी सिर्फ यूजर को होती है। क्लाइंट्स को एसएमएस और ई-मेल दोनों के जरिए ओटीपी हासिल करना होगा. एनएसई ने अपने सर्कुलर में कहा है कि अगर किसी वजह से बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन संभव न हो तो यूजर्स को नॉलेज फैक्टर का इस्तेमाल करना होगा। जिसमें पासवर्ड/पिन, पजेशन फैक्टर और यूजर आईडी हो सकता है। इसका इस्तेमाल टू-फेस ऑथेंटिकेशन के तौर पर करना चाहिए।` विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादातर स्टॉक ब्रोकर्स सेकेंड ऑथेंटिकेशन फैक्टर का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें पासवर्ड शामिल नहीं है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने इस बारे में सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के 2018 के सर्कुलर का हवाला दिया है। दरअसल साइबर सिक्योरिटी से जुड़े इस सर्कुलर में ऑथेंटिकेशन फैक्टर्स के बारे में इस तरह का अंतर बताया है। इसलिए एनएसई ने लॉग इन के लिए 30 सितंबर से टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन को जरूरी बना दिया गया है। सभी स्टॉक ब्रोकर ने इस बारे में अपने क्लाइंट्स को सूचना देना शुरू कर दी है।

अडाणी प्रॉपर्टीज ने अडाणी पावर को डीलिस्ट करने का प्रस्ताव वापस लिया

नई दिल्ली । अडाणी पावर ने कहा कि उसकी प्रवर्तक इकाई अडाणी प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजारों की सैद्धांतिक मंजूरी नहीं मिलने के कारण कंपनी को डीलिस्ट करने का प्रस्ताव वापस ले लिया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि उसे प्रवर्तक समूह के एक सदस्य से एक पत्र मिला है, जिसमें डीलिस्टिंग प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की गई है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में कहा कि कंपनी (अडाणी पावर) को उसके प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह के एक सदस्य अडाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड (एपीपीएल) से 17 सितंबर, 2022 का एक पत्र मिला है। यह पत्र 29 मई 2020 के डिलिस्टिंग पेशकश की वापसी के संबंध में है। कंपनी डिलिस्टिंग पेशकश वापस लेने के संबंध में सभी जरूरी कदम उठाएगी।

डिस्कॉम का बकाया अधिभार घटकर 700 करोड़ रह गया

नई दिल्ली । बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का बकाया तेजी से घटकर 713.29 करोड़ रुपए रह गया, जो 17 अगस्त मे 5,085.30 करोड़ रुपए था। डिस्कॉम को यह राशि बिजली उत्पादन कंपनियों (जेनकॉस) को चुकानी थी। चूक करने वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने चलते बकाया राशि में यह कमी हुई। बिजली मंत्रालय द्वारा अधिसूचित बिजली, नियम 2022 के तहत चूक करने वाली इकाइयों को बिजली एक्सचेंजों में व्यापार करने से रोक दिया गया था। राष्ट्रीय ग्रिड परिचालक बिजली प्रणाली परिचालन निगम लिमिटेड (पोसोको) ने तीन बिजली एक्सचेंजों आईईएक्स, पीएक्सआईएल और एचपीएक्स से 13 राज्यों में 27 डिस्कॉम द्वारा बिजली के कारोबार को प्रतिबंधित करने के लिए कहा था। इन डिस्कॉम का जेनकॉस पर बकाया था। प्राप्ति पोर्टल पर भुगतान अधिभार बकाया के बारे में दी गई ताजा जानकारी से पता चलता है कि कर्नाटक में तीन डिस्कॉम और जम्मू-कश्मीर में एक पर 16 सितंबर, 2022 को कुल बकाया राशि 713.29 करोड़ रुपए है। यह आंकड़ा 17 अगस्त 2022 को 5,085.30 करोड़ रुपए था।

ओएनजीसी ने केंद्र से कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर समाप्त करने का किया आग्रह

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ओएनजीसी ने केंद्र सरकार से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगाए गए अप्रत्याशित लाभ कर को समाप्त करने का आग्रह किया है। ओएनजीसी ने कहा कि इसकी जगह सरकार को लाभांश के रास्ते का इस्तेमाल करना चाहिए। गौरतलब है कि वैश्विक कीमतों में आए जोरदार उछाल के चलते तेल कंपनियों का लाभ अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है। इस मामले से परिचित दो सूत्रों ने कहा कि कंपनी प्राकृतिक गैस के लिए 10 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट की निचली कीमत का समर्थन करती है। वर्तमान सरकार ने प्राकृतिक गैस के लिए यह मूल्य तय किया है। सरकारी अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के प्रबंधन ने कहा कि घरेलू तेल उत्पादकों पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाना अनुचित था। खासतौर से उस वक्त, जब सरकार ने रूस से रियायती तेल खरीद कर बचत सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि रूस से रियायती कच्चे तेल की खरीद से 35,000 करोड़ रुपये की बचत हुई और इसका इस्तेमाल घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में किया जाना चाहिए। ओएनजीसी प्रबंधन ने सरकार से कहा कि रूसी तेल खरीद से होने वाली बचत को उस कंपनी को दिया जाए, जो इसे चिन्हित परियोजनाओं में निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि कंपनियों पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाने के बजाय मुनाफा अर्जित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। कंपनी प्रबंधन ने सरकार से कहा कि इस उच्च लाभ का उपयोग लाभांश के लिए किया जा सकता है, जो धन के वितरण का एक अधिक न्यायसंगत तरीका है। मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार ओएनजीसी शुद्ध लाभ का 30 प्रतिशत तक वार्षिक लाभांश देती है।

आरबीआई की टोकनाइजेशन सुविधा 1 अक्टूबर से

- नियम के लागू होने के बाद कार्डहोल्डर्स को ज्यादा सुविधाएं और सुरक्षा मिलेगी

नई दिल्ली । देशभर में बढ़े रहे साइबर ठगी के मामलों पर शिकंजा कसने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अगले महीने से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने वाली है। दरअसल, आरबीआई क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों के लिए 1 अक्टूबर से कार्ड-ऑन-फाइल टोकनाइजेशन नियम ला रहा है। आरबीआई के मुताबिक इस नियम के लागू होने के बाद कार्डहोल्डर्स को ज्यादा सुविधाएं और सुरक्षा मिलेगी। गौरतलब हैं कि पहले यह नियम 1 जनवरी 2022 से लागू होने वाले थे ले किन अब आरबीआई ने इसकी समय सीमा को और 6 माह के लिए बढ़ा कर 30 जून कर दिया था। बाद में आबीआई ने इसकी तारीख फिर से बढ़ाकर 1 अक्टूबर की दी है। टोकनाइजेशन की सुविधा अगले महीने 1 अक्टूबर से लागू कर दी जाएगी। ऐसे में आरबीआई ने सभी क्रेडिट और डेबिट कार्ड डेटा ऑनलाइन, पॉइंट-ऑफ-सेल और इन ऐप से होने वाले लेन-देन को एक ही में मर्ज कर एक यूनिक टोकन जारी करने को कहा है। इस सुविधा के बारे में जानकारी नीचे दी जा रही है-

- जब आप लेन-देन के लिए अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं, तो लेन-देन 16-अंक के कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट, सीवीवी के साथ-साथ वन-टाइम पासवर्ड या ट्रांज़ैक्शन पिन जैसी जानकारी पर आधारित होता है। जब इन सभी जानकारी को सही से डाला जाता है तभी लेनदेन सफल होता है। टोकनाइजेशन वास्तविक कार्ड विवरण को टोकन नामक एक यूनिक वैकल्पिक कोड में बदलेगा। यह टोकन कार्ड, टोकन अनुरोधकर्ता और डिवाइस के आधार पर हमेशा यूनिक होगा।
- जब कार्ड के विवरण एन्क्रिप्टेड तरीके से स्टोर किए जाते हैं, तो धोखाधड़ी का जोखिम बहुत कम हो जाता है। आसान भाषा में, जब आप अपने डेबिट/क्रेडिट कार्ड की जानकारी टोकन के रूप में शेयर करते हैं तो आपका रिस्क कम हो जाता है।
- रिज़र्व बैंक ने कहा है कि टोकन व्यवस्था के तहत हर लेनदेन के लिए कार्ड विवरण इनपुट करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल भुगतान को और प्रभावी बनाने और इसे सुरक्षित बनाने के लिए रिजर्व बैंक के प्रयास जारी रहेंगे।
- इस व्यवस्था में आपके कार्ड की जानकारी को यूनिक वैकल्पिक कोड में बदल दिया जाएगा। इस कोड की मदद से भुगतान संभव हो सकेगा। इस प्रक्रिया में भी आपको अपने कार्ड के सीवीवी नंबर और वन टाइम पासवर्ड की जरूरत पड़ेगी। इसके अलावा अतिरिक्त सत्यापन के लिए भी सहमति देनी होगी।
- डिजिटल भुगतान के दौरान आपको टोकन नंबर चुनने का विकल्प दिया जाएगा। इस पर क्लिक करते ही संबंधित कार्ड की जानकारी को टोकन नंबर में परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। आपकी सहमति लेकर अनुरोध भेजा जाएगा। इसके बाद आपको कार्ड नंबर की बजाय टोकन नंबर दिया जाएगा। इसकी मदद से भुगतान कर पाएंगे। खास बात यह है कि अलग-अलग वेबसाइट के लिए एक ही कार्ड के लिए अलग-अलग टोकन नंबर जारी किए जाएगा।
- वीजा, मास्टरकार्ड और रूपे जैसे कार्ड नेटवर्क के जरिए टोकन नंबर जारी किया जाएगा। वह कार्ड जारी करने वाले बैंक को इसकी सूचना देंगे। कुछ बैंक कार्ड नेटवर्क को टोकन जारी करने से पहले बैंक से इजाजत लेनी पड़ सकती है। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए ग्राहक को कोई शुल्क नहीं देना होगा।
- ग्राहक यह चुन सकता है कि उसके कार्ड को टोकन दिया जाए या नहीं। जो लोग टोकन नहीं बनाना चाहते हैं वे लेन-देन करते समय मैन्युअल रूप से कार्ड डिटेल दर्ज करके पहले की तरह लेनदेन करना जारी रख सकते हैं।

महिंद्रा समूह और ओंटारियो टीचर्स करेगी रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली। महिंद्रा समूह और ओंटारियो टीचर्स ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इसके तहत वे महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड (एमएसपीएल) के पोर्टफोलियो को विकसित करने के लिए लगभग 4,550 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। एमएसपीएल एक नवीकरणीय ऊर्जा मंच है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक महिंद्रा समूह और ओंटारियो टीचर्स ने एमएसपीएल के भविष्य के पोर्टफोलियो को विकसित करने के लिए लगभग 4,550 करोड़ रुपए निवेश करने पर सहमति जताई है। इसके तहत महिंद्रा होल्डिंग्स लिमिटेड (एमएचएल) की सहायक कंपनी एमएसपीएल और 2452991 ओंटारियो लिमिटेड (2ओएल) ने रणनीतिक साझेदारी के तहत शेयर खरीद समझौता और शेयरधारकों के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के तहत एमएचएल, 2ओएल को एमएसपीएल में 30 प्रतिशत इक्विटी को बेचेगी।

एसबीआई ने मोबाइल फंड ट्रांसफर पर लगने वाले एसएमएस शुल्क को हटाया

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी बैंक भारतीय स्टेट (एसबीआई) के ग्राहकों को विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के लिए लगने वाले कई तरह के चार्ज में से एक से राहत मिली है। एसबीआई ने मोबाइल फंड ट्रांसफर पर लगने वाले एसएमएस शुल्क को हटा दिया है। एसबीआई ने जानकारी दी कि यूएसएसडी सेवाओं का उपयोग करके उपयोगकर्ता अब बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के आसानी से लेनदेन कर सकते हैं। एसबीआई ने ट्वीट किया है, 'मोबाइल फंड ट्रांसफर पर अब एसएमएस शुल्क माफ! ग्राहक अब बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के आसानी से लेनदेन कर सकते हैं।' बैंक ने आगे कहा है कि ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त लागत के सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें पैसे भेजने, रिक्वेस्ट मनी, अकाउंट बैलेंस, मिनी स्टेटमेंट और यूपीआई पिन बदलना शामिल हैं। इस निर्णय से सबसे ज्यादा फायदा फीचर फोन रखने वालों को होगा। यूएसएसडी या अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डेटा का उपयोग आमतौर पर टॉक टाइम बैलेंस या खाता जानकारी की जांच करने के लिए होता है। साथ ही मोबाइल बैंकिंग लेनदेन में ये इस्तेमाल होता है। यह सर्विस फीचर फोन पर काम करती है। लिहाजा फीचर फोन वाले ग्राहकों को फायदा होगा। देश के 1 अरब से अधिक मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं में से 65 फीसदी से अधिक अभी भी फीचर फोन वाले ग्राहक शामिल हैं। एसबीआई ने ग्राहकों की सुविधा के लिए घर बैठे ही सेविंग अकाउंट खोलने की सर्विस शुरू कर दी है। एसबीआई अपने ग्राहकों को डिजिटल सेविंग अकाउंट खोलने की सुविधा देता है, जिसमें ग्राहकों को अपने आस-पास लोकल बैंक जाने की जरूरत नहीं होती। वे बिना पेपरवर्क के आसानी से अपना बैंक अकाउंट खोल सकते हैं। ये सुविधा एसबीआई की ओर से योनो ऐप के जरिए ग्राहकों को दी जाती है।

हाल ही में एसबीआई ने अपने बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट में 70 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की है। एसबीआई की वेबसाइट पर पोस्ट की गई जानकारी के अनुसार, इस वृद्धि के साथ संशोधित दर अब 13.45 फीसदी है। नई दर 15 सितंबर से प्रभावी हो गई है। इस बढ़ोतरी के बाद इस बेंचमार्क से जुड़े बैंक लोन महंगे हो गए हैं।

क्रूड ऑयल की गिरती कीमतों का असर पेट्रोल और डीजल पर नहीं

नई दिल्ली । क्रूड ऑयल की गिरती कीमतों का असर फिलहाल घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर नहीं दिख रहा है। अभी भी सस्ते पेट्रोल के लिए लोगों को और इंतजार करना पड़ सकता है। सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार को ट्रोल 4 पैसे महंगा होकर 96.69 रुपए लीटर और डीजल 4 पैसे चढ़कर होकर 89.86 रुपए लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 21 पैसे गिरकर 96.36 रुपए और डीजल 20 पैसे गिरकर 89.56 रुपए लीटर हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.69 रुपए और डीजल 89.86 रुपए प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.23 रुपए और डीजल 89.42 रुपए प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 96.36 रुपए और डीजल 89.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

फिलीपींस में इंटरनेशनल मोटर शो में शामिल कारें।

मारुति सुजुकी को छोटी कार के बाजार में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया को उम्मीद है कि कुल घरेलू यात्री वाहन बाजार में घटती हिस्सेदारी के बावजूद छोटी कार खंड की बिक्री संख्या में वृद्धि जारी रहेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। ऐसे समय में जब वहनीयता एक प्रमुख चिंता है, जिसके चलते छोटी कार खंड की वृद्धि प्रभावित हुई है, मारुति सुजुकी पहली बार कार खरीदने वालों पर खासतौर से ध्यान दे रही है। ऐसे में कंपनी का फोकस ग्रामीण और उपनगरीय क्षेत्रों टियर-2 और टियर-3 शहरों के ग्राहकों पर है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव का मानना है कि कुल बिक्री संख्या में वृद्धि होगी, लेकिन यात्री वाहनों की कुल संख्या के प्रतिशत के रूप में, जो इस समय 38 प्रतिशत है, इसमें कमी हो सकती है। कुल यात्री वाहनों के बाजार में हैचबैक की हिस्सेदारी लगभग 45-46 प्रतिशत थी, लेकिन पिछले साल यह लगभग 38 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं दूसरी ओर एसयूवी खंड की हिस्सेदारी बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई और यह सबसे अधिक बिक्री वाला खंड बन गया। उन्होंने कहा कि यदि आप बिक्री संख्या के लिहाज से देखें तो छोटी कार खंड का आकार अभी भी बहुत बड़ा है। श्रीवास्तव ने कहा कि भविष्य में भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ परिवहन संबंधी जरूरतें भी बढ़ेंगी। बड़ी संख्या में ऐसे ग्राहक होंगे, जो पहली बार कार खरीद रहे हैं।

पहली बार कार खरीदने वाले होंगे, तो इसका मतलब है कि हैचबैक की मांग बनी रहेगी। हम अभी भी प्रति व्यक्ति उच्च डीजीपी वाला देश नहीं हैं, जहां लोग सीधे बड़ी कार या महंगी कार खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि हमें भरोसा है कि इस खंड में मांग मजबूत बनी रहेगी।

ओएनजीसी ने सरकार से अप्रत्याशित लाभ कर समाप्त करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख तेल एवं गैस उत्पादक ओएनजीसी ने सरकार से घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगाए गए अप्रत्याशित लाभ कर को समाप्त करने का अनुरोध किया है। ओएनजीसी ने कहा कि इसकी जगह सरकार को लाभांश के रास्ते का इस्तेमाल करना चाहिए। गौरतलब है कि वैश्विक कीमतों में आए जोरदार उछाल के चलते तेल कंपनियों का लाभ अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है। सूत्रों के मुतो बिक कंपनी प्राकृतिक गैस के लिए 10 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट की निचली कीमत का समर्थन करती है। वर्तमान सरकार ने प्राकृतिक गैस के लिए यह मूल्य तय किया है। सरकारी अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के प्रबंधन ने कहा कि घरेलू तेल उत्पादकों पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाना अनुचित था। खासतौर से उस वक्त, जब सरकार ने रूस से रियायती तेल खरीद कर बचत सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि रूस से रियायती कच्चे तेल की खरीद से 35,000 करोड़ रुपए की बचत हुई और इसका इस्तेमाल घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में किया जाना चाहिए। ओएनजीसी प्रबंधन ने सरकार से कहा कि रूसी तेल खरीद से होने वाली बचत को उस कंपनी को दिया जाए, जो इसे चिन्हित परियोजनाओं में निवेश करेगी।

उन्होंने कहा कि कंपनियों पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाने के बजाय मुनाफा अर्जित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। कंपनी प्रबंधन ने सरकार से कहा कि इस उच्च लाभ का उपयोग लाभांश के लिए किया जा सकता है, जो धन के वितरण का एक अधिक न्यायसंगत तरीका है। मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार ओएनजीसी लाभ का 30 प्रतिशत तक वार्षिक लाभांश देती है।

देश की शीर्ष 10 वैल्यूवल कंपनियों में छह का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली।

विगत हफ्ते देश की शीर्ष 10 सबसे वैल्यूवल (मूल्यवान) कंपनियों में छह को बड़ा झटका लगा है उनका बाजार पूंजीकरण 2,00,280.75 करोड़ रुपये घट गया। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को हुआ। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 952.35 अंक यानी 1.59 फीसदी गिरा था। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में कमी हुई। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, अडाणी ट्रांसमिशन और बजाज फाइनेंस को फायदा हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 76,346.11 करोड़ रुपये घटकर 11,00,880.49 करोड़ रुपये रह गया। इंफोसिस का पूंजीकरण 55,831.53 करोड़ रुपये घटकर 5,80,312.32 करोड़ रुपये था। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 46,852.27 करोड़ रुपये घटकर 16,90,865.41 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 14,015.31 करोड़ रुपये गिरकर 5,94,058.91 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 4,620.81 करोड़ रुपये घटकर 4,36,880.78 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 2,614.72 करोड़ रुपये घटकर 8,31,239.46 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान बढ़त दर्ज करने वालों में अडाणी ट्रांसमिशन का बाजार पूंजीकरण 17,719.6 करोड़ रुपये बढ़कर 4,56,292.28 करोड़ रुपये हो गया।

टी20 विश्वकप में राहुल ही पारी की शुरुआत करेंगे: रोहित

विराट केवल एक विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में लोकेश राहुल ही पारी की शुरुआत करेंगे। रोहित ने कहा कि विराट कोहली पारी की शुरुआत के लिए केवल एक विकल्प भर हैं क्योंकि जब भी उन्हें अवसर मिला है वह इसमें सफल रहे हैं। कप्तान के अनुसार किसी भी स्थान के लिए विकल्प होना जरुरी होत है। ताकि किसी प्रकार की परेशानी की स्थित में उसे उतारा जा सके। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली टी20 से पहले कहा, 'आपके पास विकल्प उपलब्ध होना हमेशा अच्छा होता है क्योंकि विश्व कप में जाने के लिए यह अहम होता है कि टीम के पास ऐसे खिलाड़ी हों जिन्हें किसी भी क्रम पर भेजा जा सके। इसलिए जब हम कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह कोई समस्या है।'

उन्होंने साथ ही कहा, 'हम अपने सभी खिलाड़ियों की योग्यता को समझते हैं कि वो हमारे लिए क्या कर सकते हैं। विराट सलामी बल्लेबाज के तौर पर हमारे लिए एक विकल्प हैं और हम इसे ध्यान में रखेंगे क्योंकि हमने टी20 विश्व कप के लिए किसी तीसरे सलामी बल्लेबाज का चयन नहीं किया है। विराट ने आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी के लिए पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। इसलिए उन्हें ही पारी की शुरुआत के लिए विकल्प के तौर पर रखा गया है।' उन्होंने टी20 विश्व कप में विराट से पारी की शुरुआत कराने से जुड़े सवाल पर कहा, 'विराट हमारे तीसरे सलामी बल्लेबाज हैं और कुछ मुकाबलों में जरूर पारी की शुरुआत करेंगे। एशिया कप के अंतिम मैच में उन्हें बेहतरीन तरीके से पारी की शुरुआत की थी। वह शीर्ष क्रम में हमारे सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं।'

अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स: इटावा के अजीत ने जीता स्वर्ण

इटावा (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के निवासी अजीत यादव ने अफ्रीका महाद्वीप के माराकोस में 6वीं अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रि प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। जैवलिन थ्रो एथलीट अजीत ने शनिवार को 64.77 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

इस उपलब्धि से पहले वह पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रि चीन 2019 में स्वर्ण, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप दुबई 2019 में कांस्य, पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रि दुबई 2021 में स्वर्ण और पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रि ट्यूनीशिया 2022 में रजत पदक हासिल कर चुके हैं। इंडिया ओपन नेशनल चैंपियनशिप 2022 के स्वर्ण पदक विजेता अजीत ने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

अफ्रीका महाद्वीप के माराकेच में 6वीं अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्रि प्रतियोगिता 15 सितंबर से 17 सितंबर तक आयोजित की गयी जिसमें दुनिया भर के 40 देशों ने हिस्सा लिया। इटावा के भरथना तहसील के ग्राम साम्हो नगला विधि निवासी अजीत ने फोन पर बताया कि प्रतियोगिता में भारत के ही देवेंद्र झझरिया 60.97 मीटर भाला फेंक कर दूसरे स्थान पर रहे जबकि मोरक्को के इजजोहरी जाकराई ने 55 मीटर भाला फेंकते हुए तीसरा स्थान पाया। अजीत को गोल्ड मेडल मिलते ही उनके पैतृक गांव नगला विधि में मिठाइयां बांटी गयीं। अजीत ने अपना बायां हाथ एक रेल दुर्घटना में खो दिया था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर यह कामयाबी हासिल की। अजीत मध्यप्रदेश के ग्वालियर की लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन से पीएचडी कर रहे हैं। वह इस जीत के साथ प्रदेश के ऐसे इकलौते खिलाड़ी बन गये हैं जिसने पैरालंपिक्स में स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किया है।

मोहम्मद शमी कोविड पॉजिटिव, 43 महीने बाद यह गेंदबाज टीम इंडिया में करेगा वापसी

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज की शुरुआत 20 सितम्बर से होने जा रही है। पहला मुकाबला मोहाली में आयोजित किया जाएगा। वहीं, सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है।

टी-20 विश्व कप में स्टैंड बॉय प्लेयर्स की लिस्ट में शामिल तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में मौका दिया गया था। लेकिन वह कोविड के चलते सीरीज से बाहर हो गए हैं।

उमेश यादव को टीम में मिली जगह

मोहम्मद शमी के बाहर होने के बाद तेज गेंदबाज उमेश यादव को टी-20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। उमेश ने अपना आखिरी टी-20 मुकाबला 2019 में कंगारू टीम के खिलाफ खेला था। वहीं, शमी भी 2021 टी-20 विश्व कप के बाद टी-20 इंटरनेशनल में अपनी वापसी करने जा रहे थे लेकिन बदकिस्मत उन्हें बाहर होना पड़ा है।

सेलेक्टर्स ने उमेश यादव को एक इमरजेंसी कॉल के तहत बुलाया है जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि तेज गेंदबाज के प्लेयिंग इलेवन में जगह दी जा सकती है। उमेश ने आइपीएल 2022 में पावरप्ले के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होने 7 की इकोनोमी रेट से 16 विकेट झटके हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वह कंगारू टीम के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

महेला जयवर्धने ने माना, भारत टी20 विश्व कप में कर सकता है अच्छा प्रदर्शन

बेंगलुरु (एजेंसी)।

एशिया कप 2022 में जीत की दावेदार मानी जा रही भारतीय टीम सुपर-4 में बाहर हो गई थी। लेकिन श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को लगता है कि ऑस्ट्रेलिया में आगामी टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए मेन इन ब्लू के पास गुणवत्ता और उपकरण हैं। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर उन्हें काम करने की जरूरत है।

जयवर्धने का मानना ??है कि भारत में प्रतिभा और कौशल है लेकिन उन्हें सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली होने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपलब्धता एशिया कप में उनके पतन का एक बड़ा कारक था। 28 वर्षीय सीमर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल श्रृंखला में तेज गेंदबाजी आक्रमण भारत का नेतृत्व करेगा। जयवर्धने ने कहा, मेरे लिए जिस तरह से वे (भारत) खेले, कौशल, प्रतिभा, सब कुछ है। जाहिर है, जसप्रीत का न होना भी एक कारक था। वह नई गेंद से और पिछले छोर पर उनके लिए एक बड़ा अंतर भरता है। जब वह ऑस्ट्रेलिया में वापस आएगा तो वह उन्हें भी सुलझा लेगा। उन्होंने एशिया कप में फिर से अपने पैर जमाने के लिए विराट कोहली की भी सराहना की। उनका मानना है कि भारत में अब लाइन-अप में स्थिरता है और कोहली का टीम में होना आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। इस 45 वर्षीय को लगता है कि कोहली हमेशा से थे लेकिन उनका बड़ा स्कोर नहीं था जैसा कि उन्होंने महाद्वीपीय टूर्नामेंट में किया था। उन्होंने कहा, एशिया कप में उसने अच्छी बल्लेबाजी की, दिखाया कि वह क्या करने में सक्षम है, खासकर उस स्थिति में। भारत के लिए आगे बढ़ना, उस लाइन-अप में वह स्थिरता होना और यह विश्वास होना कि विराट जैसा खिलाड़ी एक कारक होने जा रहा है, विपक्ष के लिए भी चिंता का विषय होगा।

81 करोड़ में बिकी माइकल जॉर्डन की जर्सी, इतने में खरीद सकते हैं एक प्राइवेट जेट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व बास्केटबॉल स्टार माइकल जॉर्डन की गिनती दुनिया के बड़े खिलाड़ियों में होती है। जॉर्डन के चाहने वालों की लंबी फेहरिस्त है। उनके और उनसे जुड़ी चीजों को लेकर कितनी दीवानगी है, इसका अंदाजा हाल ही में नीलामी में बिकी उनकी एनबीए टीम शिकागो बुल्स की जर्सी की कीमत से लग जाता है। जॉर्डन ने यह जर्सी एनबीए के छठे खिताब जीतने के दौरान पहनी थी। इस जर्सी को जॉर्डन पर बनाई डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'द लास्ट डांस' में भी दिखाया गया था। जॉर्डन की यह जर्सी हाल ही में हुई नीलामी में 10.091 मिलियन डॉलर यानी 81 करोड़ रुपये में खरीदी गई।

जॉर्डन ने यह जर्सी 1998 में एनबीए फाइनल सीरीज के गेम 1 में पहनी थी। इस जर्सी के साथ ही उन्होंने शिकागो बुल्स के साथ अपना छठा और आखिरी एनबीए खिताब जीता था। इसके साथ, ही जर्सी डिएगो माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड शर्ट को पीछे छोड़कर खेल इतिहास की सबसे महंगी जर्सी बन गई। माराडोना ने 1986 के फुटबॉल वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में जो जर्सी पहनी थी, वहां 9.28 मिलियन डॉलर में नीलामी में बिकी थी। जॉर्डन की जर्सी जितनी कीमत में नीलामी में बिकी है, उससे सबसे कम कीमत वाले प्राइवेट जेट खरीदे जा सकते हैं। बाजार में मौजूद सबसे सस्ते प्राइवेट जेट, साइरस विजन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपये है। इसके अलावा सेसना साइटेशन सीजे+3 भी है, जिसे 66 करोड़ रुपये में खरीदा जा सकता हैं। जर्सी की नीलामी करने वाले ऑक्शन हाउस से ओर से कहा गया, 'एक एथलीट के रूप में 1998 का एनबीए सीजन जॉर्डन के लिए सबसे यादगार रहा।

टिर्की ने हॉकी इंडिया का अध्यक्ष बनने नामांकन भरा

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की ने हॉकी इंडिया का अध्यक्ष बनने के लिए नामांकन किया है। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद टिर्की ने कहा कि उनका लक्ष्य इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। टिर्की ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा,'' आप सभी की शुभकामनाओं के साथ मैंने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है। मैं भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हूं।''ओलंपियन टिर्की भारतीय टीम के पूर्व फुल बैक रहे थे। अभी वह ओडिशा हॉकी संवर्धन परिषद के अध्यक्ष हैं। गौरतलब है कि टिर्की 1998 बैंकाक एशियाई खेलों में स्वर्ण और 2012 में बुसान एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल रहे थे। हॉकी इंडिया के चुनाव नौ अक्टूबर को होंगे जिसके लिए बिहार सरकार के पूर्व चुनाव अधिकारी अजय नायक को पीठासीन अधिकारी बनाया गया है।

विराट कोहली ने भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले जमकर किया अभ्यास

मोहाली। चाहे वह तेज गेंदबाजों पर पुल शॉट जमाना हो या फिर स्पिनरों के सामने आगे बढ़कर खेलना, विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले रविवार को यहां जमकर अभ्यास किया और अपने इरादे भी स्पष्ट किए। कोहली नेट पर अभ्यास करने वाले पहले बल्लेबाजों में से एक थे। उनका ध्यान पूरी तरह से शार्ट पिच गेंदों को खेलने पर था। उन्होंने 45 मिनट के सत्र में कई उठती हुई गेंदों का सामना किया। कोहली ने एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ शतक जमाकर फॉर्म में वापसी की और अब वह पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहते हैं। एशिया कप में उन्होंने राशिद खान जैसे गेंदबाज के सामने भी आगे बढ़कर शॉट मारे और रविवार को यहां नेट पर वह इसी मानसिकता के साथ उतरे तथा उन्होंने स्पिनरों पर इसी तरह के शॉट खेले। अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने एक सलामी बल्लेबाज के रूप में शतक जड़ा था और उन्हें अहसास हो गया है कि छोटे प्रारूप में शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाना जरूरी है। उन्होंने 2016 में विश्व टी20 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी मैदान पर 82 रन की नाबाद पारी खेली थी और अब जबकि उनकी फॉर्म और आत्मविश्वास लौट आया है तब उनसे मंगलवार को यहां एक और शानदार पारी की उम्मीद की जा रही है।

भारत ए ने जीता तीसरा टेस्ट, न्यूजीलैंड ए को 113 रन से हराया

बेंगलुरु (एजेंसी)।

बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार ने 103 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे भारत ए ने जो कार्टर के शतक के बावजूद न्यूजीलैंड ए को रविवार को यहां तीसरे और अंतिम अनधिकृत टेस्ट मैच में 113 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीती। जो कार्टर ने 111 रन बनाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास सहयोग नहीं मिला जिससे न्यूजीलैंड की टीम 416 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच के चौथे और अंतिम दिन 302 रन पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को भारत के फिरकी गेंदबाजों को खेलने में परेशानी हुई। सौरभ के अलावा कामचलाऊ स्पिनर सरफराज खान ने भी अपना जलवा दिखाया और 48 रन देकर दो विकेट लिए। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर और मुकेश कुमार को एक-एक विकेट मिला। न्यूजीलैंड ए ने 416 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच के चौथे और अंतिम दिन सुबह एक विकेट पर 20 रन से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई लेकिन शार्दुल ठाकुर ने दिन के तीसरे ओवर में ही जो वॉकर (सात) को बोल्ड कर दिया।

कार्टर ने इसके बाद डेन क्लीवर (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 85 और मार्क चैपमैन (45) के साथ चौथे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की। सौरभ ने क्लीवर को पगबाधा आउट किया जबकि सरफराज खान ने चैपमैन को पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद न्यूजीलैंड के पिछले बल्लेबाजों की सौरभ के सामने एक नहीं चली। जो कार्टर नौवें नंबर के बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। उन्हें मुकेश कुमार ने बोल्ड किया। उन्होंने अपनी पारी में 230 गेंद खेली तथा 12 चौके और एक छक्का लगाया।

रुतुराज गायकवाड के 108 रन की मदद से भारत ए ने अपनी पहली पारी में 293 रन बनाए थे जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 237 रन पर आउट हो गई थी। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 359 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। भारत की इस पारी का आकर्षण रजत पाटीदार (नाबाद 109 रन) का शतक था। इन दोनों टीम के बीच पहले दो मैच ड्रा रहे थे। अब उनके बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी।

भारतीय टीम के खिलाफ टिम की बल्लेबाजी देखने को लेकर उत्साहित हैं कमिंस

मोहाली (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के उप-कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि मंगलवार को भारत के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मुकाबले में वह सिंगापुर मुल के खिलाड़ी टिम डेविड को खेलते हुए देखने को लेकर उत्साहित हैं। डेविड ने पिछले कुछ समय में आईपीएल सहित विश्व भर की आईपीएल लीग में अपने अच्छे प्रदर्शन के बल पर ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनायी है।

टिम ने 14 मैचों में सिंगापुर की ओर से चार अर्धशतकों के साथ 46.50 की औसत से 558 रन बनाए हैं। आईसीसी नियमों के तहत वह ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेल सकते हैं। टिम को लेकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं। वह जानते हैं कि यह खिलाड़ी अपने आक्रामक खेल से कुछ ही समय में बदलाव ला सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कमिंस ने कहा, हम मोहाली में हैं। ओवल पर एक टीम के रूप में हमारा पहला प्रशिक्षण सत्र था। वास्तव में अच्छा सत्र। अपने पहले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर नए खिलाड़ी टिम को देखकर अच्छा लगा।मैं उसे खेलते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। इस युवा खिलाड़ी ने पिछले दो साल के दौरान 86 टी20 मैचों में 168.40 के शानदार स्ट्राइक रेट से 1,874 रन बनाए हैं। उनका हर 4.5 गेंदों पर एक बाउंड्री का औसत है और 16 से 20 ओवरों के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 204.80 के स्तर तक चला जाता है। उन्हें फरवरी में मुंबई इंडियंस ने 1.53 मिलियन डॉलर में पर खरीदा था। इसमें भी उनका स्ट्राइक रेट अन्य सभी खिलाड़ियों से ज्यादा था।

डेविस कप: अमेरिका को हराकर ग्रुप में शीर्ष पर रहा नीदरलैंड

ग्लासगो। नीदरलैंड ने अमेरिका को 2-1 से हराकर डेविस कप फाइनल्स के ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया। नीदरलैंड ने अपने दोनों एकल मैच जीते। बॉटिक वैन डे जैंड्सचुल्प ने दूसरे एकल मैच में टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 7-6 (3) से हराकर नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले टालोन ग्रिक्सपुर ने टॉमी पॉल को 7-5, 7-6 (3) से हराया था। नीदरलैंड ने पहले ही अजेय बढ़त बना ली थी और ऐसे में राजीव राम और जैक सॉक ने युगल मैच में वेस्ली कूलहोफ और मैटवे मिडेलकोप को हराकर केवल हार का अंतर कम किया। अमेरिका और नीदरलैंड ग्रुप डी से क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पहले ही पक्की कर चुके थे। शनिवार को अन्य मुकाबलों में क्रोएशिया ने अर्जेंटीना को 3-0 से हराया जबकि सर्बिया ने कनाडा पर 2-1 से जीत दर्ज की। फ्रांस ने एक अन्य मैच में बेल्जियम को 2-1 से पराजित किया।

विश्व प्रसिद्ध मोटो जीपी 2023 में भारत में डेब्यू कर सकता है

नई दिल्ली। भारत में मोटरसाइकिल रेसिंग की शीर्ष प्रतियोगिता मोटो जीपी का पदार्पण 2023 की सर्दियों में हो सकता है बशर्ते सब कुछ योजना के अनुसार हो। मोटो जीपी के व्यावसायिक अधिकार धारक डोर्नो और नोएडा स्थित रेस प्रमोटर फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स के बीच अगले हफ्ते करार पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। डोर्ना के प्रबंध निदेशक कार्लोस एजपेलेटा और सीईओ कार्मेलो एजपेलेटा बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में होंगे और 'ग्रां प्री आफ भारत' को लेकर उनके आधिकारिक घोषणा करने की उम्मीद है। प्रतियोगिता का आयोजन बुद्ध अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर किए जाने की संभावना है जहां एक समय फार्मूला वन ग्रां प्री का आयोजन होता था लेकिन वित्तीय, कर और नौकरशाही से जुड़ी अड़चनों के कारण इसे बंद करना पड़ा। मोटो जीपी के अधिकार करने वाली कंपनी और रेस प्रमोटर के बीच करार पर हस्ताक्षर के बाद ही ट्रैक मोटर स्पोर्ट की शीर्ष स्थान एफआईएच ट्रैक का निरीक्षण करेगी। फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स के सीओओ पुष्कर नाथ ने पीटीआई को बताया कि उन्होंने इस प्रतिष्ठित रेस के आयोजन के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं और उन्होंने इस चीज को भी ध्यान में रखा है कि नौ साल पहले फार्मूला वन को लेकर क्या चीजें गलत हुईं थी। नाथ ने कहा, ''भारत दुनिया का सबसे बड़ा दोपहिया वाहन का बाजार है। हर किसी का बाइक से जुड़ाव है। मोटो ग्रां प्री सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेल आयोजनों में से एक है।'' भारतीय मोटर स्पोर्ट महासंघ एफएमएससीआई के अध्यक्ष अकबर इब्राहिम ने कहा, ''हमने भारत

सर्वेक्षण में 66प्र. से अधिक प्रशंसकों ने माना गलत टीम चयन के कारण एशिया कप में हारा भारत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के एशिया कप में खराब प्रदर्शन पर लोकप्रिय दैनिक मलयाला मनोरमा के एक सर्वेक्षण में 66 प्रतिशत से अधिक प्रशंसकों ने माना कि टीम का खराब चयन इसकी मुख्य वजह रही। अखबार ने सुपर चार चरण में दुबई में पाकिस्तान और श्रीलंका से भारत को मिली पराजय पर एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया था। टीम सुपर चार चरण की बाधा पार करने में विफल रही थी। इस मीडिया संगठन ने भारत के खराब प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए प्रशंसकों से कुछ सवाल पूछे जिसमें 66 फीसदी ने टीम के खराब चयन को हार का मुख्य कारण बताया।

इस सर्वेक्षण में 26.37 प्रतिशत ने टीम के अति-आत्मविश्वास को हार का मुख्य कारण माना तो वहीं हार का मुख्य कारण बताया। सर्वे में एक और सवाल यह था कि बल्लेबाजी के किस पहलू ने सबसे ज्यादा निराश किया। इसमें बल्लेबाजी ऑलराउंडरों (33.09प्र.) की कमी और एकदिवसीय शैली की बल्लेबाजी (31.14प्र.) को लगभग बराबर की संख्या में प्रशंसकों ने विफलता के लिए जिम्मेदार ठहराया।

गेंदबाजी के सवाल पर 34.68 प्रतिशत प्रशंसकों ने आखिरी ओवरों की गेंदबाजी को टीम की कमजोर कड़ी माना तो वहीं 40.05 प्रतिशत लोगों का मत था कि गेंदबाजी में ठीक तरीके से बदलाव नहीं हुये। सर्वे में 43.59 प्रशंसकों ने कहा कि टीम को जसप्रीत बुमराह की कमी खली जबकि 42.49 प्रतिशत प्रशंसक टीम में संजू सैमसन को देखना चाहते थे। सर्वेक्षण के अनुसार, 'अधिकांश प्रशंसको ने महसूस किया कि अगर बुमराह और सैमसन टीम का हिस्सा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितरों का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। जिस तिथि में माता-पिता का देहांत हुआ है, उस तिथि में श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतानरूपी फल देते हैं।

दिवंगतों की अच्छाइयों का स्मृति पर्व

पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा बन चुके हम आए दिन कोई न कोई 'डे' मनाते रहते है ।साल के दिनों की संख्या से ज्यादा तो तथाकथित 'डे' मनाए जाते हैं ,ना इसमें कोई बुराई है वे लोगों को जीते जी याद करते हैं तो हम परिजनों के गुजर जाने के बाद भी उन्हें याद करते हैं। उनकी याद में दिवस मनाते हैं भारतीय संस्कृति सबको साथ ले कर चलने वाली है। हम अगर श्राद्ध की बात करें तो इसमें न सिर्फ अपने पिता अपितु पितरों (हमारे दादा-परदादा) के प्रति भी धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से सम्मान प्रकट किया जाता है, बल्कि उन्हें याद किया जाता है, उनका आभार माना जाता है। इन दिनों में सात्विकता, पशु-आहार ,दान का विशेष महत्व है। यहां मूलत: 'आत्मा अमर है' का विश्वास काम करता है कि वे जहां कहीं भी हैं हमें देख रहें होगें। भारतीय संस्कृति की एक विशेषता उल्लेखनीय है कि वह अपने संस्कार से व्यक्ति को विनयवान बनाती है। जहां इसमें 'धर्म-भीरुता' एक कमजोर पक्ष बनकर उभरा है जिससे कई कुरीतियों ने भी जन्म लिया। वहीं शिक्षा के प्रसार से कुछ नवीनता भी आई है। दान का स्वरुप बदल कर ब्राह्मण भोज के स्थान पर लोगों ने जरूरतमंदों और अनाथालयों में अन्न सेवा प्रारंभ कर दिया है। कुछ समर्थ लोग दोनों ही तरह के दान के हामी होते हैं तो आधुनिक विधि-विधान को महत्व न देकर श्राद्ध में छिपे मूल भाव को महत्व देते हुए अपने पूर्वजों को याद करने के विभिन्न तरीके अपनाते हैं । पितरों का आशीर्वाद बना रहे,पूर्वजों के प्रति आभार जताने का भाव मन में आ जाना, पूर्वजों के साथ घर में रहने वाले बुजुर्गों का भी आदर बना रहे यही सही मायने में श्राद्ध है जो कि आज के समय की मांग है। श्राद्ध पर्व की मूल अवधारणा श्रद्धा पर आधारित है। श्राद्ध पर्व के 16 दिनों के दौरान यदि हम अपने विलग हो चुके बुजुर्गों को याद कर उनकी अच्छाइयों को अपने और अपनी अगली पीढ़ी के जीवन में कार्यान्वित कर सकें तो इस भाव-प्रसंग की सार्थकता कुछ और बढ़ जाएगी।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार, जानिए क्या है पंचबलि कर्म

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

दीपावली से भी ज्यादा बड़ी है श्राद्ध पर्व की 8वीं तिथि

महालक्ष्मी पर्व यानी गजलक्ष्मी व्रत है। इस दिन को दीपावली से भी अधिक शुभ माना जाता है। पितृ पक्ष में आने वाले गजलक्ष्मी व्रत में अगर अपनी राशि अनुसार विधि-विधान से पूजन किया जाए तो महालक्ष्मी विशेष प्रसन्न होती हैं और जीवन में धन-समृद्धि आती है। आइए, जानें किस-किस राशि वाले जातक को किस प्रकार से पूजन करने से इष्टतम लाभ हो सकता है।

मेष राशि : इस राशि के जातक अगर ऋण से त्रस्त हैं तो मिट्टी के हाथी के समक्ष 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए इससे ऋण उतरने लगता है।

वृषभ राशि : इस राशि के जातकों के लिए गजलक्ष्मी व्रत से हर शुक्रवार को श्री विष्णु-लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है। इस प्रयोग को कम से कम एक साल तक करें यानी अगले गजलक्ष्मी व्रत तक करें चमत्कार स्वयं देखें।

मिथुन राशि : चांदी का हाथी बनवाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गल्ले में रखें निश्चित ही धनलाभ होता है। धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है।

कर्क राशि : रात को केले के पत्ते पर दूध-भात रख कर चंदमा और मिट्टी के हाथी को दिखाएं और मंदिर में पंडितजी को दान दें। इससे धन प्राप्ति के प्रबल योग बनते हैं।

सिंह राशि : मिट्टी का हाथी बनवाकर उस पर चांदी या सोने का गहना चढ़ाएं और 'ॐ नमो नारायणाय' मंत्र का श्री विष्णु जी के सम्मुख जाप करें, विशेष धनलाभ होगा।

कन्या राशि : लाजावर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मिट्टी के हाथी को चढ़ाने से जातक धनवान बनता है।

तुला राशि : चांदी या सोने के हाथी पर कमल का फूल चढ़ाएं। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है।

वृश्चिक राशि : मिट्टी के हाथी के समक्ष घी व सरसो तेल के दो बड़े दीपक जलाएं। किसी भी लक्ष्मी मंत्र की 21 माला जाप करें तो अक्षय धन की प्राप्ति होती है।

धनु राशि : सुंदर पीले वस्त्र धारण कर मिट्टी के हाथी पर विविध अलंकार अर्पित करें। मां लक्ष्मी की कृपा चारों तरफ से बरसने लगेगी।

मकर राशि : किसी भी सजीव हाथी को सवा दर्जन केले खिलाएं और मिट्टी के हाथी को वस्त्रालंकार अर्पित करें। आश्चर्यजनक रूप से हर बाधा दूर होगी और धन की समृद्धि बढ़ेगी।

कुंभ राशि : चांदी का हाथी बनवाकर उसी की पूजा करें। साथ में मिट्टी का हाथी दीये जलाकर सजाएं और पूजन करें। चांदी के सिक्के चढ़ाएं। यश, सुख, समृद्धि, वैभव, ऐश्वर्य और सौभाग्य से जीवन चमक उठेगा।

मीन राशि : 11 हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर लक्ष्मी मंत्र की 11 माला जाप कर तिजोरी में रख दें। रोजाना वहां दीया जलाए तो व्यापार की प्रबल उन्नति होने लगती है।

पितरों के समान हैं ये 3 वृक्ष, 3 पक्षी, 3 पशु और 3 जलचर

धर्मशास्त्रों अनुसार पितरों का पितृलोक चंद्रमा के उर्ध्वभाग में माना गया है। दूसरी ओर अग्निहोत्र कर्म से आकाश मंडल के समस्त पक्षी भी तृप्त होते हैं। पक्षियों के लोक को भी पितृलोक कहा जाता है। तीसरी ओर कुछ पितर हमारे वरुणदेव का आश्रय लेते हैं और वरुणदेव जल के देवता हैं। अत: पितरों की स्थिति जल में भी बताई गई है।

तीन वृक्ष

- **पीपल का वृक्ष** : पीपल का वृक्ष बहुत पवित्र है। एक ओर इसमें जहां विष्णु का निवास है वहीं यह वृक्ष रूप में पितृदेव है। पितृ पक्ष में इसकी उपासना करना या इसे लगाना विशेष शुभ होता है।
- **बरगद का वृक्ष** : बरगद के वृक्ष में साक्षात शिव निवास करते हैं। अगर ऐसा लगता है कि पितरों की मुक्ति नहीं हुई है तो बरगद के नीचे बैठकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए।
- **बेल का वृक्ष** : यदि पितृ पक्ष में शिवजी को अत्यंत प्रिय बेल का वृक्ष लगाया जाय तो अतृप्त आत्मा को शान्ति मिलती है। अमावस्या के दिन शिव जी को बेल पत्र और गंगाजल अर्पित करने से सभी पितरों को मुक्ति मिलती है ।इसके अलावा अशोक, तुलसी, शमी और केल के वृक्ष की भी पूजा करना चाहिए।

तीन पक्षी

- **कौआ** : कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है। श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है। इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है। शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है।
- **हंस** : पक्षियों में हंस एक ऐसा पक्षी है जहां देव आत्माएं आश्रय लेती हैं। यह उन आत्माओं का ठिकाना हैं जिन्होंने अपने जीवन में पुण्यकर्म किए हैं और जिन्होंने यम-नियम का पालन किया है। कुछ काल तक हंस योनि में रहकर आत्मा अच्छे समय का इंतजार कर पुन : मनुष्य योनि में लौट आती है या फिर वह देवलोक चली जाती है। हो सकता है कि आपके पितरों ने भी पुण्य कर्म किए हों।
- **गरुड़** : भगवान गरुड़ विष्णु के वाहन हैं। भगवान गरुड़ के नाम पर ही गुरुढ़ पुराण है जिसमें श्राद्ध कर्म, स्वर्ग नरक, पितृलोक आदि का उल्लेख मिलता है। पक्षियों में गरुढ़ को बहुत ही पवित्र माना गया है। भगवान राम को मेघनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ का आश्रय लेते हैं पितर ।इसके अलावा क्रोंच या सारस का नाम भी लिया जाता है।

तीन पशु

- **कुत्ता** : कुत्ते को यम का दूत माना जाता है। कहते हैं कि इसे ईधर माध्यम की वस्तुएं भी नजर आती है। दरअसल कुत्ता एक ऐसा प्राणी है, जो भविष्य में होने वाली घटनाओं और ईथर माध्यम (सूक्ष्म जगत) की आत्माओं को देखने की क्षमता रखता है। कुत्ते को हिन्दू देवता भैरव महाराज का सेवक माना जाता है। कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ते को रोटी देते रहने से पितरों की कृपा बनी रहती है।
- **गाय** : जिस तरह गया में सभी देवी और देवताओं का निवास है उसी तरह गाय में सभी देवी और देवताओं का निवास बताया गया है। दरअसल मान्यता के अनुसार 84 लाख योनियों का सफर करके आत्मा अंतिम योनि के रूप में गाय बनती है। गाय लाखों योनियों का वह पड़ाव है, जहां आत्मा विश्राम करके आगे की यात्रा शुरू करती है।
- **हाथी** : हाथी को हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का साक्षात रूप माना गया है। यह इंद्र का वाहन भी है। हाथी को पूर्वजों का प्रतीक भी माना गया है। जिस दिन किसी हाथी की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है। हाथियों को अपने पूर्वजों की स्मृतियां रहती हैं। अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन गजपूजा विधि व्रत रखा जाता है। सुख-समृद्धि की इच्छा रखने वाले उस दिन हाथी की पूजा करते हैं ।इसके अलावा वराह, बैल और चींटियों का यहां उल्लेख किया जा सकता है। जो चींटी को आटा देते हैं और छोटी-छोटी चिड़ियों को चावल देते हैं, वे वैकुंठ जाते हैं।

तीन जलचर जंतु

- **मछली** : भगवान विष्णु ने एक बार मत्स्य का अवतार लेकर मनुष्य जाती के अस्त्वि को जल प्रलय से बचाया था। जब श्राद्ध पक्ष में चावल के लड्डू बनाए जाते हैं तो उन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाता है।
- **कछुआ** : भगवान विष्णु ने कच्छप का अवतार लेकर ही देव और असुरों के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर स्थापित किया था। हिन्दू धर्म में कछुआ बहुत ही पवित्र उभयचर जंतु है जो जल की सभी गतिविधियों को जानता है।
- **नाग** : भारतीय संस्कृति में नाग की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि यह एक रहस्यमय जंतु है। यह भी पितरों का प्रतीक माना गया है ।इसके अलावा मगरमच्छ भी माना जाता है।

पितृ पक्ष की सर्वपितृ अमावस्या पर करें श्राद्ध

आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को सर्वपितृ मोक्ष श्राद्ध अमावस्या कहते हैं। यह दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। अगर आप पितृपक्ष में श्राद्ध कर चुके हैं तो भी सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करना जरूरी होता। आओ जानते हैं इस संबंध में 10 खास बातें।

- सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है। 15 दिन तक पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं फिर उनकी विदाई का समय आता है। इसीलिए इसे 'पितृविसर्जनी अमावस्या', 'महालय समापन' या 'महालय विसर्जन' भी कहते हैं।
- कहते हैं कि जो नहीं आ पाते हैं या जिन्हें हम नहीं जानते हैं उन भूले-बिसरे पितरों का भी इसी दिन श्राद्ध करते हैं। अत: इस दिन श्राद्ध जरूर करना चाहिए।
- कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने पितरों का उनकी तिथि के अनुसार या उनकी मृत स्थिति के अनुसार श्राद्ध नहीं करता है तो माना जाता है कि पितर उसके लिए सर्वपितृ अमावस्य पर पुन : नदी तट या उसके द्वार पर आते हैं और वे देखते हैं कि सभी के पितरों के वंशज आएं हैं परंतु हमारे नहीं तब वह निशार और रुष्ठ होकर चले जाते हैं जिसके चलते व्यक्ति के जीवन में बुरा होने लगता है।
- अगर कोई श्राद्ध तिथि में किसी कारण से श्राद्ध न कर पाया हो या फिर श्राद्ध की तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या पर श्राद्ध किया जा सकता है। मान्यता है कि इस दिन सभी पितर आपके द्वार पर उपस्थित हो जाते हैं।
- इस श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि और देवादिबलि कर्म करें। अर्थात इन सभी के लिए विशेष मंत्र बोलते हुए भोजन सामग्री निकालकर उन्हें ग्रहण कराई जाती है। अंत में चींटियों के लिए भोजन सामग्री पत्ते पर निकालने के बाद ही भोजन के लिए थाली अथवा पत्ते पर ब्राह्मण हेतु भोजन परोसा जाता है। इस दिन सभी को अच्छे से पेटभर भोजन खिलाकर दक्षिणा दी जाती है।
- सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गीता के सातवें अध्याय का पाठ करने का विधान भी है।
- सर्वपितृ अमावस्या पर पीपल की सेवा और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। स्टील के लोटे में, दूध, पानी, काले तिल, शहद और जौ मिला लें और पीपल की जड़ में अर्पित कर दें।
- शास्त्र कहते हैं कि ''पुन्नामनरकात त्रायते इति पुत्र: '' जो नरक से त्राण (रक्षा) करता है वही पुत्र है। इस दिन किया गया श्राद्ध पुत्र को पितृदोषों से मुक्ति दिलाता है। अत: पूर्वजों के निमित्त शास्त्रोक्त कर्म करें जिससे उन मृत प्राणियों को परलोक अथवा अन्य लोक में भी सुख प्राप्त हो सके।
- इस दिन शास्त्रों में मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्डदान, तर्पण, श्राद्ध, एकादशाह, सपिण्डीकरण, अशौचादि निर्णय, कर्म विपाक आदि के द्वारा पापों के विधान का प्रायश्चित कहा गया है।
- मान्यता है कि जो व्यक्ति पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं करता है और सर्वपितृ अमावस्य को भी श्राद्ध नहीं करता है उसे वर्षभर के लिए अपने पितारों का श्राप झेलने पड़ता है। ऐसे में पितृदोष दो प्रकार से प्रभावित होता है। पहला यह कि जो पितर अधोगति में गए हैं वे ज्यादा अपेक्षा रखकर ज्याता सताते हैं और जो उर्ध्वगति में गए हैं वे श्राप नहीं देते हैं तो आशीर्वाद भी नहीं देते हैं। उनका आशीर्वाद नहीं देना ही नुकसान दायक सिद्ध होता है।

16 दिनों में न भूलें ये बातें

पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध महालय पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :-

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

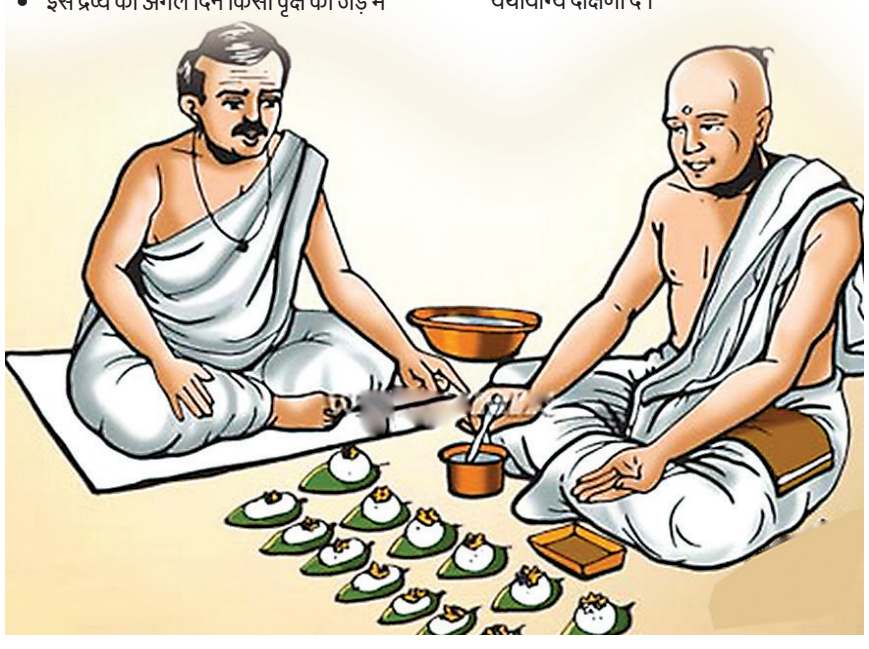

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ताइवान में आया 7.2 तीव्रता का भूकंप, 24 घंटे में महसूस हुए 100 झटके, ट्रेक पर खड़ी ट्रेन बुरी तरह हिली

ताइवान में भूकंप के जोरदार झटके आये जिससे पूरे देश हिल गया। ताइवान के तट पर 7.2 तीव्रता का भूकंप आया जिससे पूरे द्वीप पर हलचल हो गया। एक वीडियो ऐसा सामने आया है जिसमें ट्रेक पर खड़ी एक ट्रेन बुरी तरह से हिल रही हैं। इसके अलावा स्टेशन पर खड़े अन्या यात्री अपने आपको बचाने के लिए जमीन पर बैठे नजर आ रहे हैं। इससे पहले ताइवान में एक बार और हिला था। 24 घंटों के अंदर ये भूकंप का दूसरा जोरदार झटका हैं। चीन के पूर्वी तट से दूर स्वशासी द्वीप पर झटकों की एक सीरीज के बाद रविवार को ताइवान में जोरदार भूकंप आया। ताइवान के अधिकारियों ने बताया कि 6.8 भूकंप दक्षिणपूर्वी तट पर ताइतुंग शहर के पास 7 किलोमीटर (4 मील) की अपेक्षाकृत उथली गहराई पर आया। ताइवान की एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप के केंद्र के पास एक दो मंजिला आवासीय इमारत ढह गई। राजधानी ताइपे में द्वीप के उत्तरी छोर पर झटके महसूस किए गए। ताइवान में भूकंप के बाद, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी के लिए एक सलाह जारी की जो कई दक्षिणी जापानी द्वीपों तक 1 मीटर (3 फीट) तक पहुंच गई। एजेंसी ने कहा कि सबसे शुरुआती लहरें ताइवान से लगभग 110 किलोमीटर (70 मील) पूर्व में जापान के सबसे पश्चिमी द्वीप योनागुनी द्वीप पर शाम करीब 4ः10 बजे पहुंच सकती हैं। (0710 त्रस्क्ष) और बाद में तीन पास के द्वीप। द्वीप टोक्यो के दक्षिण-पश्चिम में लगभग 2,000 किलोमीटर (1,200 मील) दूर हैं। मौसम अधिकारियों ने उन क्षेत्रों के निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया। ताइवान का ताइतुंग काउंटी शनिवार रात 6.4 भूकंप की चपेट में आ गया था और तब से कई झटके महसूस कर रहे हैं।

किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान ने सीमा पर लड़ाई खत्म करने के लिए बातचीत की

किर्गिस्तान और तजाकिस्तान के सुरक्षा प्रमुखों ने दोनों देशों के बीच सीमा पर लड़ाई को रोकने के लिए शनिवार को बातचीत की। किर्गिज सीमा सेवा ने वार्ता के नए दौर की घोषणा की। हालांकि, दोनों पूर्व-सोवियत राष्ट्रों ने गोलाबारी के लिए एक दूसरे पर आरोप लगाया। रात भर के संक्षिप्त विराम के बाद दोनों देशों के बीच शनिवार की सुबह फिर से गोलीबारी शुरू हुई। किसी स्पष्ट या सार्वजनिक रूप से घोषित कारण के बिना बुधवार से शुरू हुई लड़ाई शुक्रवार को तेज हो गई। किर्गिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार तड़के कहा कि संघर्ष में मारे गए 24 लोगों के शवों को तजाकिस्तान की सीमा से लगे बाटकेन क्षेत्र के अस्पतालों में पहुंचाया गया। मंत्रालय ने कहा कि किर्गिस्तान के अस्पतालों और क्लीनिकों में भी गोलाबारी में घायल हुए 103 लोगों का उपचार हुआ। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या तजाकिस्तान की ओर से कोई हताहत हुआ था यह नहीं। ताजिक अधिकारियों ने, हालांकि किर्गिज सुरक्षा बलों पर एक मस्जिद को नष्ट करने और आवासीय भवनों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तजाकिस्तान के सुरक्षा अधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि किर्गिस्तान ''उकसावे वाली कार्रवाई के तहत'' सीमा के पास सैनिकों और सैन्य उपकरणों को इकट्ठा कर रहा था। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं है कि सोवियत मध्य एशियाई पड़ोसियों के बीच सीमा पर तनावपूर्ण लड़ाई किस वजह से हुई। शुक्रवार दोपहर को संघर्ष विराम स्थापित करने का प्रयास विफल रहा और दिन में बाद में गोलाबारी फिर से शुरू हो गई। किर्गिस्तान के आपात मंत्रालय ने कहा कि लड़ाई से घिरे इलाके से 136,000 लोगों को बाहर निकाला गया है। दोनों देशों के सीमा रक्षक प्रमुखों ने लगभग आधी रात को मुलाकात की और शत्रुता को समाप्त करने में मदद करने के लिए एक संयुक्त निगरानी समूह बनाने पर सहमति व्यक्त की।

आतंकी हाफिज सईद के घर के बाहर विस्फोट मामले में तीन और के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

पाकिस्तान में पुलिस ने जमात-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद के घर के बाहर पिछले साल जून में कार बम विस्फोट मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन और संदिग्धों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। आतंकी हाफिज सईद मुंबई हमले का मुख्य साजिशकर्ता है। पंजाब पुलिस के एक सूत्र ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस मामले में पांच संदिग्धों को दोषी ठहराए जाने के बाद मुख्य साजिशकर्ता और अन्य दो सूत्रधारों को गिरफ्तार किया गया है। सूत्र ने कहा, ''जांच के लिए उन्हें कई महीनों तक हिरासत में रखने के बाद पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने आखिरकार उन्हें आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी), लाहौर के सामने सुनवाई के लिए पेश करने का फैसला किया।' सूत्र ने कहा कि अदालत ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है और मुकदमे की कार्यवाही 20 सितंबर से शुरू होगी। एक सीटीडी अधिकारी ने कहा, 'सीटीडी ने शुक्रवार को जौहर टाउन में जमात-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद के आवास के पास वर्ष 2021 में बम विस्फोट करने के मामले में समीउल हक (मुख्य साजिशकर्ता), अजीज अकबर और नवीद अख्तर (सहायक) के खिलाफ एटीसी, लाहौर के समक्ष आरोप पत्र दायर किया। एटीसी लाहौर ने जनवरी में चार संदिग्धों - ईद गुल (प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का कार्यकर्ता), पीटर पॉल डेविड, सज्जाद शाह और जियाउल्लाह को नौ मामलों में मौत की सजा सुनाई थी।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि पाकिस्तान में आई भीषण बाढ़ से करीब 1.6 करोड़ बच्चों का जीवन प्रभावित हुआ है

इस्लामाबाद।। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक पाकिस्तान में आई भीषण बाढ़ के कारण करीब 1.6 करोड़ बच्चों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, जिनमें से कम से कम 34 लाख बच्चों को तत्काल सहायता की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के प्रतिनिधि अब्दुल्ला फादिल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्थिति बेहद भयावह है और वहां कुपोषित बच्चे दस्त, डेंगू बुखार और पीड़ादायक चर्म रोगों से जूझ रहे हैं। अब्दुल्ला फादिल ने सिंध प्रांत के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दो दिवसीय दौरा करने के बाद एक बयान में कहा कि बाढ़ के कारण अब तक कम से कम 528 बच्चों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे की मौत को टाला जा सकता था। यूनिसेफ के प्रतिनिधि ने कहा कि बाढ़ के कारण करीब1.6 करोड़ बच्चों का जीवन प्रभावित हुआ है और इनमें से 34 लाख बच्चों को तत्काल मदद की जरूरत है। उन्होंने कहा, छोटे बच्चे अपने परिवारों के साथ खुले में रहने को मजबूर हैं, इन्हें पीने के पानी, भोजन और बाढ़ के कारण परिवार की आजीविका खोने के कारण नए जोखिमों और खतरों का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त इमारतों और बाढ़ के पानी के बीच होने के कारण सांपों, बिच्छुओं के काटने जैसे खतरों का भी सामना करना पड़ रहा है। हजारों स्कूल, जल-वितरण प्रणाली व अस्पताल जैसे बुनियादी ढांचे नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। देश में बाढ़ की भयावहता लगातार बढ़ती ही जा रही है। पाकिस्तान में जैसे-जैसे बाढ़ आपदा की भयावहता बढ़ती जा रही है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी सहायता करने का सिलसिला जारी है। यूनिसेफ के प्रतिनिधि ने कहा कि दुखद वास्तविकता यह है कि मदद में भारी वृद्धि के बगैर कई और बच्चे अपनी जान गंवा सकते हैं। बहुत सी महिलाएं खून की कमी से जूझ रही हैं और वे अपने बच्चों के पोषण में असमर्थ हैं। वे बीमार हैं और स्तनपान कराने में असमर्थ हैं। बाढ़ में खोए बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यूनिसेफ प्रभावित बच्चों और परिवारों की सहायता करने और उन्हें जल जनित बीमारियों, कुपोषण और अन्य जोखिमों के मौजूदा खतरों से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। जापान सरकार ने बाढ़ के कारण पैदा हुए हालात से निपटने के लिए पाकिस्तान को 70 लाख अमेरिकी डॉलर की आपात अनुदान सहायता देने की घोषणा की है। वहीं, कनाडा सरकार ने 12 धर्मार्थ संगठनों के माध्यम से 30 लाख कनाडाई डॉलर देने की घोषणा की है। इस बीच, सिंध के बाढ़ प्रभावित इलाकों में एक दिन में 90,000 से अधिक लोगों का संक्रामक और जल जनित बीमारियों के चलते इलाज किया गया। आंकड़ों से पता चलता है कि बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या 1500 को पार कर गई है।

प्राग में एक महिला पिंक परिधान पहनकर स्तन कैंसर से प्रभावित लोगों का समर्थन करती हुई।

कभी भी जापान के तट से टकरा सकता है नानमाडोल तूफान, 270 किमी गति से चलेगी हवाएं

टोक्यो । जापान की ओर बढ़ रहे महाविनाशकारी तूफान नानमाडोल को लेकर मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। जापान के मौसम विभाग ने तटीय इलाके में रहने वाले 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाने को कहा गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि देश की तरफ बढ़ रहा महाविनाशकारी तूफान नानमाडोल खतरनाक साबित हो सकता है। इस दौरान हवा की गति 270 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है, जो विनाशकारी साबित होगा। मौसम विभाग की तरफ से असाधारण चेतावनी' जारी की गई है। यह ताकतवर तूफान किसी भी समय दस्तक दे सकता है। इस तूफान के मद्देनजर शनिवार को चार स्तरीय बचाव के निर्देश जारी किए गए हैं। इस तूफान को दूसरा सबसे शक्तिशाली तूफान करार दिया गया है। इसकी वजह से दक्षिणी क्यूशू क्षेत्र के कागोशिमा, कुमामोटो और मियाजाकी में रह रहे लोगों को खतरा पैदा हो गया है। जापान के मौसम विभाग की तरफ से कोगोशिमा क्षेत्र में बसे लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई थी। यह चेतावनी तब सामने आई है, जब मौसम विभाग ने दशकों बाद इस तरह का अलर्ट जारी किया है। ओकिनावा क्षेत्र के बाहर यह पहला तूफान है, जिसके लिए खास तरह से चेतावनी जारी की गई है। सन 2013 के बाद से ऐसी स्थिति इस ओकिनावा के बाहर देखी गई है। शनिवार शाम को तूफान नानमाडोल को मौसम विभाग ने 'वॉयलेंट' यानी हिंसक की श्रेणी में रखा था। इसकी वजह से 270 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। यह तूफान उत्तर-पूर्व मियामी दाइतो द्वीप की तरफ बढ़ रहा है जो कि 200 किलोमीटर दूर है। तूफान की वजह से कागोशिमा में भारी बारिश की आशंका है।

दुनिया के निरंकुश देशों के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है रूस, पश्चिम के लिए चेतावनी

कीव (एजेंसी)।

अमेरिका की एक हालिया खुफिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि रूस, उत्तर कोरिया से सोवियत काल के ''लाखों'' हथियार खरीदने की योजना बना रहा है। ब्रिटेन के रक्षा खुफिया तंत्र ने भी इसकी पुष्टि की है कि रूस पहले ही यूक्रेन में ईरान द्वारा निर्मित ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच 15 अगस्त को उत्तर कोरिया के मुक्ति दिवस का जश्न मनाने के लिए हुए कूटनीतिक संवाद के बाद ये खुलासे किए गए हैं। दोनों नेताओं ने नए सामरिक और रणनीतिक सहयोग का प्रस्ताव दिया है तथा उनके बीच मित्रता की परंपरा पर जोर दिया है।

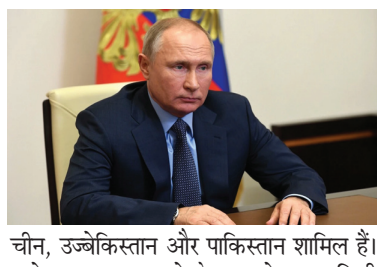

कुछ दिन पहले ही पुतिन ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से मुलाकात की थी और साथ ही ईरान में एक प्रमुख व्यापार प्रतिनिधिमंडल भेजने का वादा किया था। उन्होंने ईरान को शंघाई सहयोग संगठन का पूर्णकालिक सदस्य बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का भी वादा किया था। इस राजनीतिक और सुरक्षा गठबंधन में रूस,

चीन, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान शामिल हैं। यूक्रेन पर हमला करने के बाद से रूस पश्चिमी देशों से अलग-थलग हो गया है, जिसके बाद वह निरंकुश देशों खासतौर से उत्तर कोरिया और ईरान के साथ अपने सहयोग को सुधारने पर जोर दे रहा है। इस गठजोड़ में चीन भी शामिल हो सकता है तथा इससे आने वाले वर्षों में पश्चिमी देशों के सामने एक असल खतरा पैदा हो सकता है। मॉस्को के शीतयुद्ध के दौरान प्योंगयांग के साथ करीबी कूटनीतिक संबंध रहे हैं और सोवियत संघ, उत्तर कोरिया के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदारों में से एक रहा है। यह रिश्ता 1991 में नाटकीय रूप से तब बदल गया था जब सोवियत संघ का विघटन हो गया था। रूस कम्युनिस्ट देश नहीं रहा और उसका ध्यान पश्चिमी लोकतंत्रों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने पर केंद्रित हो गया। उसने वैचारिक संबंधों के बजाय आर्थिक संबंधों को तरजीह दी और अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू कीं। इससे प्योंगयांग के साथ उसके रिश्ते खराब हो गए तथा उत्तर कोरिया ने चीन के साथ करीबी संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित कर दिया। उत्तर कोरिया का अलग-थलग पड़ना ऌ जब पुतिन 2000 में सत्ता में आए तो उत्तर कोरिया के साथ रूस के कूटनीतिक संबंधों को नए सिरे से शुरू करने की कोशिशें कीं। किम जोंग-उन के पिता किम जोंग-इल तो कुछ मौके पर रूस भी गए।

हालांकि, विदेश नीति के लिए रूस के गहन व्यावहारिक रुख से इस रिश्ते में खटास पड़ गयी। पश्चिमी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए क्रेमलिन लगातार प्योंगयांग के परमाणु कार्यक्रम की निंदा करता रहा। बहरहाल, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से उसके आर्थिक और राजनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ने के बाद उसे दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने का मौका मिला है। सोवियत संघ के विघटन के बाद उत्तर कोरिया व्यापार और ऊर्जा के लिहाज से काफी हद तक बीजिंग पर निर्भर हो गया है। लेकिन यह रिश्ता भी राजनीतिक तनाव से मुक्त नहीं है।

शहबाज शरीफ नवंबर में करेंगे नये सेना प्रमुख की नियुक्ति: रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ नवंबर में समय पर नये सेना प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर अपने निजी फायदे के लिए विवाद खड़ा करने का आरोप भी लगाया। आसिफ के इस बयान से कुछ दिन पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मांग की थी कि नये सेना प्रमुख की नियुक्ति चुनाव के बाद नयी सरकार द्वारा की जानी चाहिए। सेना प्रमुख 61 वर्षीय जनरल कमर जावेद बाजवा 29 नवंबर को सेवानिवृत हो जाएंगे और प्रधानमंत्री द्वारा उनके उत्तराधिकारी की घोषणा किये जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री सेना प्रमुख की नियुक्ति के लिए कानूनी रूप से अधिकृत हैं। आसिफ ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, '' नवाज शरीफ ने चार बार यह राजनीतिक जिम्मेदारी निभायी है और शहबाज नवंबर में यही काम करेंगे।'' उन्होंने कहा कि संविधान में सेना प्रमुख की नियुक्ति से संबंधित नीति बिल्कुल स्पष्ट है, लेकिन खान इसे विवादास्पद बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, '' वह सिर्फ सेना प्रमुख की नियुक्ति को विवादास्पद बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि किसी के भी मन में संविधान एवं संस्थाओं के प्रति सेना के प्रमुख की निष्ठा पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष खान अपने निजी फायदे के लिए पाकिस्तान को बर्बाद करने से भी नहीं हिचकेंगे। उन्होंने कहा, '' राजनीति भिन्न है, लेकिन संस्थाओं को विवादास्पद नहीं बनाया जाना चाहिए।'' सामा टीवी के अनुसार आसिफ ने खान को नये सेना प्रमुख की नियुक्ति को विवादास्पद बनाने की दिशा में नहीं बढ़ने की चेतावनी दी और कहा कि इससे भारत को मजबूती मिलती है। खान ने एक साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान प्रधानमंत्री नये सेना प्रमुख को नियुक्त करने के लिए काबिल नहीं हैं और यह मुद्दा अगली सरकार के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए।

व्हाइट हाउस ने कहा- पुतिन खुद को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से और भी अलग कर रहे हैं

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

व्हाइट हाउस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन युद्ध पर टिप्पणी के एक दिन बाद शुक्रवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने आप को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अलग-थलग कर रहे हैं। गौरतलब है कि मोदी ने समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर एक द्विपक्षीय बैठक में शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति से बातचीत में यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त करने पर जोर देते हुए कहा कि ''आज का युग युद्ध का नहीं है।'' इसके जवाब में पुतिन ने मोदी से कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष पर भारत की चिंताओं से अवगत हैं और रूस इसे जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार के समन्वयक जॉन किर्बी ने इस संबंध में एक सवाल पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे लगता है कि आपने चीन और भारत के नेताओं से उज्बेकिस्तान में जो सुना वह इस बात को दिखाता है कि पुतिन यूक्रेन में जो कर रहे हैं उसे लेकर दूसरे लोगों की समस्याओं को नहीं सुन रहे हैं।'' उनसे एक पत्रकार ने पूछा कि क्या आपको लगता है कि भारत की तरह अन्य देश भी सार्वजनिक रूप से अपना रुख बदलेंगे। इस पर किर्बी ने कहा, ''वह अपने आप को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से और अलग-थलग कर रहे हैं। हमें नहीं लगता कि यूक्रेन में रूस जो भी कर रहा है, उसे देखते हुए अभी पहले की तरह उसके साथ व्यापार करने का वक्त है।

अफगानिस्तान की लड़कियों को उच्च विद्यालयों से बाहर रखना 'शर्मनाक': संयुक्त राष्ट्र

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र ने रविवार को अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से 7वीं से 12वीं कक्षा की लड़कियों के लिए स्कूल फिर से खोलने का आह्वान करते हुए उच्च विद्यालयों से उन्हें एक साल से बाहर रखने को 'शर्मनाक' बताया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि बुनियादी स्वतंत्रता के हनन समेत अन्य प्रतिबंधों के साथ बनाई गई नीति असुरक्षा, गरीबी और अलगाव के रूप में देश के आर्थिक संकट को और गहरा करेगी।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के कार्यवाहक प्रमुख मार्कस पोटजेल ने कहा कि लड़कियों के स्कूल जाने पर एक साल से जारी रोक बेहद दुखद एवं शर्मनाक है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही कट्टरपंथी तत्व हावी होने लगे। किशोरियों के स्कूल जाने पर रोक है और महिलाओं को घर से बाहर निकलने पर सिर से पैर तक खुद को ढंकना पड़ता है। लड़कियों को कक्षाओं में वापस लाने के लिए तालिबान विभिन्न वादों को पूरा करने में विफल रहा है। प्रतिबंध कक्षा 7वीं-12वीं तक के लिए है और मुख्य रूप से इससे 12 से 18 वर्ष की लड़कियां प्रभावित हुई हैं।

तालिबान ने लड़कियों को घर पर रहने का निर्देश देते हुए लड़कों के लिए उच्च विद्यालय फिर से खोल दिए। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि पिछले एक साल में दस लाख से अधिक लड़कियों को उच्च विद्यालय में जाने से रोक दिया गया है। अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप विशेष प्रतिनिधि पोटजेल ने कहा, ''लड़कियों को उच्च विद्यालयों से बाहर रखने के निर्णय को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता है और दुनिया में ऐसा कहीं नहीं हो रहा। यह लड़कियों की एक पीढ़ी और अफगानिस्तान के भविष्य के लिए बेहद हानिकारक है।'' उच्च विद्यालयों में लड़कियों के प्रवेश पर रोक का एक साल होने पर 50 लड़कियों ने एक पत्र लिखा है। इसका शीर्षक है 'अंधकार का एक साल- मुस्लिम देशों और दुनिया के अन्य नेताओं को अफगान लड़कियों का एक पत्र।' पत्र में काबुल, पूर्वी नांगरहार प्रांत और उत्तरी परवान प्रांत की लड़कियां के नाम हैं। काबुल की 11वीं कक्षा की 18 वर्षीय छात्रा आजादी का नाम भी इस पत्र में है। आजादी ने कहा, ''पिछले एक साल में, हमें शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार, काम करने की आजादी, गरिमा के साथ जीने की स्वतंत्रता, कहीं आने-जाने और बोलने, तथा अपने लिए निर्णय लेने के अधिकार जैसे बुनियादी मानव अधिकारों से वंचित कर दिया गया है।'' संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि शिक्षा हासिल करने से रोकना लड़कियों और महिलाओं के सबसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। विश्व निकाय ने कहा कि यह लड़कियों के हाशिए पर जाने, उनके खिलाफ हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार के जोखिम को बढ़ाता है तथा यह 2021 की गर्मियों से महिलाओं और लड़कियों को लक्षित करने वाली भेदभावपूर्ण नीतियों व प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र ने फिर से तालिबान का आह्वान किया कि वह अफगान महिलाओं और लड़कियों को उनके मूल अधिकारों और उनकी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने वाले कदमों को वापस ले।

डब्ल्यूएचओ ने कोविड में दो एंटीबॉडी के इस्तेमाल के खिलाफ सलाह दी, क्या हैं इसके मायने

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नए मार्गदर्शन में कोविड-19 के रोगियों के इलाज के लिए एंटीबॉडी थेरेपी सोट्रोविमैब और कासिरिविमैब-इमदेविमाब का उपयोग करने के खिलाफ सलाह दी गई है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित यह मार्गदर्शन इन दवाओं के उपयोग के लिएसिफारिशों में बदलाव करता है जिसके लिए सशर्त अनुमति दी गई थी। यह उभरते हुए प्रमाणों पर आधारित है कि इन दवाओं के कोविड-19 के ओमीक्रोन जैसे मौजूदा स्वरूप के खिलाफ कारगर होने की संभावना नहीं है।

इसका मतलब है कि कम से कम कुछ समय के लिए, कोविड के इलाज के लिए कोई अनुशंसित एंटीबॉडी उपचार नहीं हैं। हालांकि, अभी भी अन्य उपचार विकल्प हैं। आइए इस पर एक नजर डालते हैं। हम जानते हैं कि गंभीर कोविड हमारी अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली के कमजोर होने से संबंधित है। कोविड के सबसे प्रभावी उपचारों में से कुछ दर्द निवारक दवाएं हैं, जो वायरस के खिलाफ बढ़ी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कम करती हैं। कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स, एंटी-आईएल-6 और बारिसिटिनिब जैसी दवाओं के उपयोग का समर्थन करने के लिए मजबूत प्रमाण मिल रहे हैं। दर्द निवारक दवाओं से अलग, हमारे पास दो प्रकार के उपचार हैं जो सीधे सार्स- कोव-2 को लक्षित करते हैं, जिससे कोविड-19 होता है। ये एंटीवायरल दवाएं और एंटीबॉडी उपचार हैं। एंटीवायरल दवाएं वायरस को हमारी कोशिकाओं में प्रवेश करने देती हैं लेकिन इसे बढ़ने से रोकती हैं, जिससे संक्रमण के प्रभाव को कम किया जा सकता है। मूल रूप से हेपेटाइटिस-सी के लिए विकसित रेमडेसिविर दवा ने प्रयोगशाला में ओमीक्रोन के उप स्वरूप बीए.2.12.1, बीए.4 और बीए.5 के खिलाफ असर को प्रदर्शित किया है। नए मार्गदर्शन में डब्ल्यूएचओ ने सशर्त रूप से कोविड के गंभीर रोगियों के इलाज के लिए रेमडेसिविर की सिफारिश की, लेकिन हाल में कुछ औचक परीक्षणों के परिणामों के आधार पर बेहद गंभीर रूप से अस्वस्थ रोगियों के लिए इसके उपयोग के खिलाफ सलाह दी है। अन्य एंटीवायरल में मोलनुपिरावीर शामिल है, जिसकी डब्ल्यूएचओ सशर्त रूप से अनुशंसा करता है, और निर्माट्रेलवीर और राइटोनावीर (पैक्सलोविद के रूप में जाना जाने वाला संयोजन), जिसकी जोरदार तरीके से अनुशंसा की गई है। इन दवाओं को मुंह से लिया जाता है, जबकि रेमडेसिविर को नस के जरिए दिया जाता है।

बहरहाल, एंटीबॉडी थेरेपी सार्स कोव-2 की सतह पर एक प्रोटीन कोटिंग करके अपना काम करती है, जिसे स्पाइक प्रोटीन कहा जाता है। इससे वायरस के मानव कोशिकाओं में प्रवेश अवरूद्ध हो जाता है। वे संक्रमित कोशिकाओं को खत्म करने में भी मदद कर सकते हैं जिनपर वायरस का कब्जा होता है। सोट्रोविमैब ऐसी ही एक एंटीबॉडी थेरेपी है। यह मोनोक्लोनल एंटीबॉडी है, जिसका अर्थ है कि यह केवल वायरस के स्पाइक प्रोटीन के एक विशिष्ट क्षेत्र को लक्षित करता है।

ओमीक्रोन स्वरूप के उभरने से पहले किए गए क्लीनिकल परीक्षणों में, सोट्रोविमैब ने रोग के बढ़ने के जोखिम को कम कर दिया। इसके कारण 2021 में अमेरिका के नियामक खाद्य और नागरिक प्रशासन (एफडीए) और बिटेन की मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी द्वारा इसे आपातकालीन इस्तेमाल को लेकर अनुमति प्रदान की गई। तो क्या बदला है? कोविड के संक्रमणों को प्रबंधित करने के लिए मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का उपयोग करने के साथ एक प्रमुख चुनौती यह है कि वे स्पाइक प्रोटीन के केवल एक क्षेत्र से जुड़ते हैं। जैसे-जैसे वायरस विकसित होता है, प्रोटीन का यह क्षेत्र जिसे एंटीबॉडी पहचानते हैं, बदलाव से प्रभावित होता है। प्रयोगशाला अध्ययनों से पता चलता है कि ओमीक्रोन के उभार ने सोट्रोविमैब के असर को कम कर दिया है। कासिरिविमैब-इमदेविमाब पद्धति दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को जोड़ती है, जिससे स्पाइक प्रोटीन के दो अलग-अलग क्षेत्रों को लक्षित किया जाता है, ताकि उस गति को दूर करने का प्रयास किया जा सके जिस पर सार्स कोव-2 बदल सकता है। लेकिन, यह संयोजन प्रयोगशाला अध्ययनों में ओमीक्रोन संक्रमण को रोकने में अप्रभावी साबित हुआ है, जिससे डब्ल्यूएचओ ने अपनी सलाह बदल दी है। वायरस के विकसित होने के साथ मिलेंगे प्रमाण नियामक एजेंसियां और डब्ल्यूएचओ मौजूदा उपचारों के उभरते रूपों पर प्रतिक्रिया करने के तरीके पर कड़ी नजर रखते हैं, और इसके मुताबिक निर्धारित सिफारिशें जारी करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली से लद्दाख के लिए उड़ा स्पाइसजेट का विमान बीच रास्ते से वापस लौटा

नई दिल्ली । दिल्ली से लद्दाख के लिए उड़ान भरने वाला स्पाइसजेट का एक विमान शनिवार शाम को बीच में से ही वापस दिल्ली एयरपोर्ट लौट आया। इसके चलते विमान में सवार यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, विमान कंपनी का कहना है कि मौसम खराब होने के चलते विमान लद्दाख नहीं जा सका, जिसकी वजह से उसे अमृतसर लैंड कराया गया था। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर स्पाइसजेट की फ्लाइट संख्या एसजी 123 ने लद्दाख के लिए दोपहर लगभग 3 बजे उड़ान भरी थी। रास्ते में मौसम खराब होने के चलते विमान को अमृतसर में लैंड करवाया गया। मौसम की खराबी के चलते विमान को लद्दाख में लैंड करवाना संभव नहीं था। इसके चलते उसे वापस दिल्ली लाया गया। यात्रियों का आरोप है कि यह विमान दिल्ली से कई घंटों की देरी के बाद चला था। उन्हें बिना सूचना दिए इस विमान को वापस दिल्ली लाया गया। इसके चलते उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। इससे नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट विमान के बाहर बैठकर प्रदर्शन किया। फिलहाल इन लोगों को यहां से हटा दिया गया है। उधर, विमान कंपनी का कहना है कि इन यात्रियों को रविवार सुबह 6.10 बजे एसजी 9123 फ्लाइट से लद्दाख भेजा जाएगा।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले आठ विधायक प्रधानमंत्री मोदी से करेंगे मुलाकात

पणजी। गोवा में इस सप्ताह की शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए कांग्रेस के आठ विधायक सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत तथा भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सदानंद तनावडे की अगुवाई में विधायक सोमवार सुबह प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। उन्होंने बताया कि छह विधायक आज रात को विमान से दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जबकि विधायक माइकल लोबो और दिगंबर कामत बाद में राष्ट्रीय राजधानी पहुंचेंगे। ये दोनों अभी राज्य से बाहर हैं। इससे पहले, बुधवार को विधायक दिगंबर कामत, माइकल लोबो, डेलिला लोबो, राजेश फलदेसाई, केदार नाइक, संकल्प अमोनकर, एलेक्सियो सिक्वेरा और रूडोल्फ फर्नांडिस कांग्रेस विधायक दल की बैठक में एक प्रस्ताव पारित करने के बाद भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा के सूत्रों के अनुसार, इस समूह के दिल्ली दौरे के दौरान पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा तथा गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करने की संभावना है। भाजपा इस साल हुए गोवा विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में सत्ता में फिर लौटी थी। चालीस सदस्यीय गोवा विधानसभा में उसके पास 20 विधायक थे, जबकि कांग्रेस के विधायकों की संख्या हालिया दल-बदल के बाद 11 से घटकर तीन रह गयी है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान गिरफ्तार, अदालत ने भेजा था चार दिनों की न्यायिक हिरासत में

नयी दिल्ली। आप विधायक अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया गया है।राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड भर्ती में कथित अनियमितता से जुड़े एक मामले में शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को भ्रष्टाचार रोधी शाखा (एसीबी) की चार दिनों की हिरासत में भेज दिया लेकिन जांच में सहयोग न करने के बाद विधायक को गिरफ्तार कर लिया है। विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने एसीबी की एक अर्जी पर यह आदेश जारी किया था। एसीबी ने अदालत से अनुरोध किया कि एक गहन जांच के लिए उसे खान से पूछताछ करने जरूरत है। खान की 14 दिनों की हिरासत का अनुरोध करते हुए एसीबी ने दावा किया कि खान के पांच रिश्तेदारों को बोर्ड में नियुक्त किया गया था, जबकि 22 लोग ओखला से थे। उल्लेखनीय है कि खान ओखला से विधायक हैं। अभियोजन ने अदालत से कहा, जिस व्यक्ति की आय 4.32 लाख रुपये है, वह चार करोड़ रुपये नकद प्राप्त कर रहा है। इसने यह भी कहा कि शुक्रवार को ली गई तलाशी के दौरान एसीबी के अधिकारियों से मारपीट की गई और उन्हें थप्पड़ मारा गया। अभियोजन ने कहा, पूरी टीम के साथ मारपीट की गई और हथियार बरामद किये गये। एसीबी ने शुक्रवार को खान के परिसरों में छापे मारने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था। भर्ती में कथित अनियमितता को लेकर एक प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। प्राथमिकी के मुताबिक, खान ने बोर्ड के अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान नियमों और सरकारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए 32 व्यक्तियों की अवैध भर्ती की।

2 साल में महाकाल मंदिर में 37.65 करोड़ों के लड्डू बिके

उज्जैन । मंदिर से भी हजारों लोगों को रोजगार मिल सकता है। यह महाकाल मंदिर में हुई आय ने साबित कर दिया है। पिछले 2 वर्षों में देश और विदेश से आए महाकाल के भक्तों ने 37 करोड़ 65 लाख रुपयों के लड्डू खरीद कर प्रसाद में बांटे। कोरोना संक्रमण के बाद महाकाल मंदिर में भक्तों की आवक एवं महाकाल मंदिर के दर्शनों का जबरदस्त आस्था भक्तों में बनी है। श्री महाकालेश्वर मंदिर की प्रबंध समिति के अनुसार पिछले 4 साल में दान की राशि में 280 गुना का इजाफा हुआ है। इसके अतिरिक्त मंदिर में 144 किलो चांदी और 63 किलो सोना भी भक्तों ने दान किया है। 1 सितंबर 2021 से 2022 तक के 1 वर्ष के दौरान महाकाल मंदिर को 81करोड़ से अधिक का दान प्राप्त हुआ है। महाकाल मंदिर की विस्तार योजना के तहत 752 करोड रुपए खर्च किए जा रहे हैं। महाकाल मंदिर में इसी तरह दान प्राप्त होता रहा, तो आगामी 8 से 9 वर्षों में पूरे प्रोजेक्ट की लागत दान से ही निकल आएगी। उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के कारण यहां पर हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। महाकाल का आशीर्वाद अपने सभी भक्तों को कई रूपों में मिलता है। यह इसका बड़ा उदाहरण है।

गीता और रामायण को पाठ्यक्रम में शामिल करे सरकार: स्वामी सदानंद

- ज्ञानवापी में पूजन का अधिकार मिल: अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

भोपाल । द्वारका शारदा पीठ के नए शंकराचार्य स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती इन दिनों परमहंसी गंगा में चातुर्मास कर रहे हैं। शंकराचार्य जी ने कहा कि गीता और रामायण को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने से सामाजिक व्यवस्था एवं धार्मिक आस्था को बेहतर बनाया जा सकेगा। शंकराचार्य जी ने कहा संस्कृत भाषा को अनिवार्य विषय बनाना जरूरी है। हिंदी देवनागरी भाषा एवं सभी भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा है। इसका ज्ञान हर भारतीय को होगा, सामाजिक व्यवस्था में नैतिकता और बेहतर आचरण के लिए संस्कृत भाषा जरूरी है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा ज्ञानवापी में पूजन का अधिकार हिंदुओं को निश्चित तौर पर मिलना चाहिए। वहां पर भगवान शिव विराजित हैं। कोई हमारे अधिकार और आस्था की उपेक्षा करे,यह असहनीय है। परमहंसी आश्रम में चातुर्मास शामिल हुए नवनियुक्त दोनों पीठ के शंकराचार्य धर्म ध्यान में लीन हैं। ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की समाधि के बाद, दोनों शंकराचार्य एक ही स्थान पर उपस्थित हैं। उपनिषद,वेद, पुराण और धर्म ग्रंथों को किस तरह से भारतीय भाषाओं में अनुवाद कराना है,तथा धर्म ग्रंथों के डिजिटलाइजेशन को लेकर भी वृहद कार्ययोजना तैयार करने की जानकारी दी गई।

उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था देश और दुनिया के लिए एक नजीर: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की कानून-व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा किप्रदेश की कानून-व्यवस्था देश और दुनिया के लिए एक नजीर बनती हुई दिखाई दी है। मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां अपने पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास से पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत 56 जिलों के लिए मॉडर्न प्रिजन वैन (कैदी वाहन) को हरी झंडी दिखाने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था देश और दुनिया के लिए एक नजीर बनती हुई दिखाई दी है। उन?होंने कहा कि लोग अक्सर उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की चर्चा करते हैं और उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि जो राज्य सबसे संवेदनशील माना जाता था, 2017 से पहले जिस राज्य में दंगे फसाद, अराजकता, गुंडागर्दी चरम पर मानी जाती थी,वहां कानून का राज स्थापित है। बिना नाम लिए विपक्षी दलों की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले पुलिस भागती थी और अपराधी दौड़ाते थे,लेकिन आज कानून के साथ खिलवाड़ करने वाले कोई भी व्यक्ति हो उसे मालूम है कि कानून की क्या कीमत होती है और उसे कानून का भय है। मुख?यमंत्री ने कहा कि विगत पांच वर्ष के अंदर देश में आबादी के लिहाज से सबसे बड़े राज्य में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए पुलिस आधुनिकीकरण की जो प्रक्रिया हम लोगों ने प्रारंभ किया था, माडर्न प्रिजन वैन उसी श्रृंखला का एक हिस्सा है।

आजादी के 75 वर्षों में दलितों के सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई : पासवान

पटना (एजेंसी)।

भाजपा के प्रवक्ता गुरुप्रकाश पासवान ने कहा है कि दलितों का सशक्तीकरण हिंदुत्व के विचार और भारतीय संविधान के मूल में निहित है। उन्होंने कहा आजादी के 75 वर्षों में सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने न्यूजर्सी में इंडिक डायलॉग के पहले संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि दलितों के संबंध में भेदभाव के बारे में अधिक बात की जाती है, जबकि यह जानना महत्वपूर्ण है कि दलितों का सशक्तीकरण हिंदुत्व विचार और भारतीय संविधान के मूल में कैसे निहित है।

पासवान वर्तमान में अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने सिलिकॉन वैली के साथ-साथ लॉस एंजिलिस में लोगों को संबोधित किया। लॉस एंजिलिस में उन्होंने दलित, बहुजन और हिंदुत्व कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत की और कैलिफोर्निया में सैन जोस फ्रेमोंट में फाउंडेशन फॉर इंडिया और इंडियन डायस्पोरिक स्टडीज (एफआईआईडीएस) में भारत सरकार की समावेशिता और विविधता की नीतियां पर चर्चा की।

पटना विश्वविद्यालय में कानून के विषय के सहायक प्रो पासवान ने न्यूजर्सी में लोगों से कहा कि रामायण, महाभारत और भारत का संविधान तीन दस्तावेज हैं जो हिंदुओं और भारत को परिभाषित करते हैं। उन्होंने पूछा जब तीनों को दलितों ने लिखा है (ऋषि वाल्मीकि द्वारा रामायण, वेद व्यास द्वारा महाभारत और भारत के संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष डॉ बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा तैयार भारतीय संविधान), तो दलित के भारत का हिस्सा नहीं होने का सवाल कहां है?

पासवान ने जोर देकर कहा कि भारत में दलितों पर हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न के इतिहास को न तो नकारा जा सकता है और न ही कम किया जा सकता है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा हालांकि, यह जानना महत्वपूर्ण है कि भारत 1950 (26 जनवरी, 1950, जब भारत गणराज्य ने संविधान को अपनाया) के बाद से दलित सशक्तीकरण को स्थापित करके क्या कर रहा है और परिणामों को भी देखें।

भाजपा नेता ने आरक्षण (राज्य द्वारा सकारात्मक कार्रवाई) जैसे मुद्दे, दलित चैंबर ऑफ कॉमर्स, आंबेडकर, बाबू जगजीवन राम, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, साथ ही वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जैसे प्रतिष्ठित दलित नेताओं के प्रभाव के बारे में बात की।

यूपी से तय होगा नीतीश कुमार के मिशन 2024 का रास्ता

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राजनीति में कहा जाता है कि लोकसभा का रास्ता यूपी से होकर जाता है। लगता है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसी मंत्र को अपनाने का मन बना चुके हैं। ऐसी खबरें आ रही हैं कि नीतीश कुमार ने 2024 के चुनाव में यूपी से ताल ठोकने का मन बनाया है। नीतीश के प्रयागराज के फूलपुर या फिर मिर्जापुर सीट से अगला लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत मिले हैं। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह की बातों ने भी इस सियासी अटकलबाजी को हवा दे दिया है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि भले ही नीतीश खुद को पीएम पद की रेस से बाहर बताते हों, लेकिन अंदरखाने उनकी तैयारी चल रही है। गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने मिशन 2024 को लेकर एक्टिव मोड में हैं। बिहार में भाजपा का साथ छोड़ने के बाद से ही उन्होंने दिल्ली में विपक्ष के कई बड़े नेताओं से मुलाकात की। उधर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कुछ ऐसा कहा जिसने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। ललन सिंह ने हालांकि स्पष्ट तौर पर नीतीश के चुनाव लड़ने की बात नहीं कही, लेकिन उन्होंने इंकार भी नहीं किया। ललन सिंह ने कहा कि उन्हें यूपी की कई सीटों से चुनाव लड़ने के लिए ऑफर हैं। उन्होंने कहा कि फूलपुर और मिर्जापुर के पार्टी कार्यकर्ता भी चाहते हैं नीतीश वहां से दावेदारी पेश करें। अब यह सीएम की इच्छा पर है कि वह कहां से चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि फूलपुर उत्तर प्रदेश की बेहद हाई प्रोफाइल सीट मानी जाती है। यहां से भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू तीन बार सांसद चुने गए थे। इसके अलावा कई अन्य बड़े नाम भी इस सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। फिलहाल यहां से भाजपा की सांसद केशरी देवी पटेल सांसद हैं। इस सीट से नीतीश अगर चुनाव लड़ते हैं उन्हें जातीय समीकरण का भी लाभ मिलेगा। फूलपुर सीट के कुल 18 लाख वोटरों में से 17 प्रतिशत मतदाता पटेल (कुर्मी) समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। अगर सपा उन्हें सपोर्ट करती है तो उन्हें यादव और मुस्लिम वोटरों का भी साथ मिल सकता है।

अगले 25 साल में वैश्विक महाशक्ति बन जाएगा भारतः स्मृति ईरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि भारत चुनौतियों से निपटने में अधिक सक्षम और मजबूत बनने की राह पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। स्मृति ईरानी ने कहा कि 2047 तक भारत वैश्विक महाशक्ति बन जाएगा। ईरानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'सेवा दिवस' के अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चुनौतियों से निपटने में अधिक सक्षम और मजबूत बनने की राह पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा प्रधानमंत्री ने भारत के शीर्ष पर जाने की नींव रखी है और अब भारत को और अधिक मजबूत व सक्षम बनने तथा अंततः अगले 25 वर्षों में वैश्विक महाशक्ति बनने के मार्ग पर आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है।

स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने किया। बनवारीलाल पुरोहित ने कहा कि इतना बड़ा स्वास्थ्य शिविर लगाकर गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना, प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दी जाने वाली सबसे बड़ी भेंट है और लोगों से विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। पुरोहित ने कहा न केवल उनके जन्मदिन पर, बल्कि चंडीगढ़ वेलफेयर ट्रस्ट (सीडब्ल्यूटी) 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 15 दिवसीय 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रहा है।

उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि यह पखवाड़ा राष्ट्र-पुत्र के जन्मदिन पर शुरू हुआ है और राष्ट्रपिता की जयंती पर समाप्त होगा। शिविर के आयोजकों में शामिल चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि चंडीगढ़ के विभिन्न हिस्सों से 20,000 से अधिक लोगों ने शिविर में प्रदान की जाने वाली 11 प्रकार की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

राघव चड्ढा को गुजरात चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी का राज्य सह-प्रभारी बनाया गया

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को अपने राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का राज्य सह-प्रभारी नियुक्त किया। इससे पहले अरविंद केजरीवाल नीत 'आप' ने राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक को गुजरात का प्रभारी नियुक्त किया था। पंजाब में इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव से पहले चड्ढा को पार्टी की ओर से राज्य मामलों का सह प्रभारी बनाया गया था। पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी ने प्रचंड जीत दर्ज की थी। आम आदमी पार्टी ने पिछले 27 वर्षों से गुजरात की सत्ता पर काबिज भाजपा के मुकाबले खुद को मुख्य प्रतिद्वंद्वी के तौर पर पेश किया है। 'आप' की गुजरात इकाई ने ट्वीट किया, ''राज्यसभा सदस्य और युवा नेता राघव चड्ढा को 'आप' का गुजरात मामलों का सह-प्रभारी नियुक्त किए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं।'' अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए चड्ढा ने कहा, ''मुझे यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं अरविंद केजरीवाल जी को धन्यवाद देता हूं। मैं अपनी पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कड़ी मेहनत करूंगा। गुजरात बदलाव चाहता है, गुजरात अच्छी शिक्षा-स्वास्थ्य चाहता है। गुजरात चाहता है केजरीवाल।

लद्दाख में कांग्रेस की भाजपा पर जीत के बाद जयराम रमेश का गुलाम नबी आजाद पर तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लद्दाख में कांग्रेस की भाजपा पर जीत को लेकर पार्टी के प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने गुलाम नबी आजाद पर तंज कसा है। पीएम मोदी और अमित शाह को भी लपेटे में लेते हुए उन्होंने ट्वीट किया है- जीएनए ध्यान दें। बता दें कि रमेश का आजाद को यह संदेश इसलिए भी रोचक है क्योंकि आजाद ने हाल ही में कांग्रेस छोड़ते हुए पार्टी के भविष्य पर सवाल उठाए थे और राहुल गांधी पर निजी हमले किए थे। साथ ही यह भी कहा था अब उनका ध्यान जम्मू कश्मीर पर ही रहेगा। आजाद के कांग्रेस छोड़ने के बाद जम्मू कश्मीर में कई कांग्रेसी नेताओं ने उन्हें समर्थन देते हुए कांग्रेस छोड़ दी थी। दरअसल, लद्दाख सीट पर कांग्रेस पार्टी के ताशी टुंडुप ने भाजपा प्रत्याशी दोरजय नामग्याल को 273 वोटों के अंतर से हराकर उपचुनाव में जीत हासिल की। कांग्रेस पार्टी की जीत से उत्साहित पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा, 'यहां मोदी, शाह और आजाद के लिए कुछ ब्रेकिंग न्यूज है। लद्दाख हिल काउंसिल के टेमिसगाम उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी ने भाजपा को भारी अंतर से हराया है। लद्दाख जिला कांग्रेस कमेटी को बधाई!' जयराम रमेश ने एक अन्य पोस्ट में लिखा है गौरतलब है कि अपने पांच पन्नों के त्याग पत्र में आजाद ने सीधा राहुल गांधी पर हमला बोला था। आरोप लगाया था कि कांग्रेस पार्टी में सोनिया गांधी सिर्फ नाम की अध्यक्ष हैं। जबकि सभी फैसले राहुल गांधी, उनके पीए और सुरक्षाकर्मी तक लेते हैं।

चीन की चालबाजियों के प्रति भारत सतर्क, एलएसी पर अभी पूरी तरह पीछे नहीं हटेगी भारतीय सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध को खत्म करने के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि, भारत चीन की ओर से की जाने वाली किसी भी चालबाजी को लेकर सतर्क है। यही कारण है कि भारतीय सेना ने तय किया है कि अभी गतिरोध वाले इलाकों को पूरी तरह से खाली नहीं किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार गोगरा हॉट स्प्रिंग्स (गश्ती पॉइंट 15) में केवल कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर सैनिकों की वापसी हुई।

सूत्रों ने कहा कि एलएसी पर सैनिकों की मौजूदगी तब तक बनी रहेगी, जब तक कि अप्रैल 2020 से पहले जैसी स्थिति नहीं हो जाती है। सूत्रों का कहना है कि एलएसी पर सैनिकों की वापसी या तैनाती इस बात पर निर्भर होगी कि दूसरा पक्ष इसे कितना अमल में लाता है। अप्रैल 2020 से पहले के दिनों में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर लगभग 8,000 से 10,000 सैनिकों की तैनाती हुआ करती थी। गर्मी के महीने में हुई झड़प के बाद इसमें इजाफा कर दिया गया।

गतिरोध वाली जगहों से सैनिकों की पूरी वापसी में देरी होने का एक कारण पर्वती इलाका भी है। चीन जहां सिर्फ दो दिनों में अपने सैनिकों को वापस कर सकता है। वहीं, भारत को कम से कम दो और अधिक से अधिक सात स्पाह का समय लग सकता है। तिब्बती पठार के कारण चीन को अपने सैनिकों लाने और ले जाने में कोई देरी नहीं होगी। वहीं, भारतीय सैनिकों को लेह से एलएसी की तरफ जाने के लिए खारदुंग ला, चांग ला या तस्क ला जैसे उच्च दर्रों को पार करना पड़ता है। ऐसे में भारत अभी पूरी तरीके से अपने सैनिकों की वापसी के मूड में नहीं है। भारतीय सेना चीन की हर संभावित चालबाजी को लेकर सतर्क है।

एलएसी पर गतिरोध के बाद चीन ने नई सड़कों, पुलों और भूमिगत मिसाइल शेल्टरों का निर्माण किया है। इसने अपने हवाई अड्डों का भी विस्तार किया है। वहां पर अधिक लड़ाकू जेट, हथियार-पता लगाने वाले रडार और यहां तक ????कि एस 300 जैसे भारी वायु रक्षा प्रणालियों को तैनात किया है। आपको बता दें कि भारतीय सेना अपने रडार के माध्यम से चीन की तैनाती को आसानी से देख पाती है।

पूर्वी लद्दाख में 832 किलोमीटर की अनिर्धारित एलएसी के दोनों तरफ सशस्त्र भारत और चीन के हजारों सैनिक तैनात हैं। दोनों ही देश के सैनिकों के पास टैंक, तोपें, हेलीकॉप्टर, लड़ाकू जेट और मिसाइलें हैं। सूत्रों ने कहा कि भारत पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा जानबूझकर भारतीय गश्ती मार्ग को अवरुद्ध करने पर आपत्ति जताता रहा है। अप्रैल 2020 से पहले भारतीय गश्ती दल उस मार्ग पर जाते थे, जिसे चीन ने मौजूदा सीमा समझौतों में एक इलाके का चालाकी से उपयोग करके झड़पों के बाद अवरुद्ध कर दिया था। पीएलए के वाहन इन इलाकों में आते हैं और गश्त मार्ग को अवरुद्ध करते हैं।

दिल्ली पुलिस ने 25 साल पुराने हत्या मामले का पर्दाफाश किया, महीनों तलाश में जुटे रहे पुलिसकर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार कर 25 साल पुराने मामले का पर्दाफाश किया है। जांच के दौरान महीनों तक पुलिसकर्मी पहचान बदलकर विभिन्न इलाकों में आरोपी की तलाश में जुटे रहे। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में रहने वाले किशन लाल की फरवरी 1997 की सर्द रात में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी और हत्यारे का पता नहीं चल पाया। छोटे-मोटे विभिन्न काम करने वाले लाल की पत्नी सुनीता उस समय गर्भवती थी, जो दंपति का पहला बच्चा था।

हत्या के मामले में मुकदमा शुरू हुआ और पटियाला हाउस अदालत ने दिहाड़ी मजदूर भगोड़े संदिग्ध रामू को भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया। वह लाल के पड़ोस में ही रहता था। मामले की फाइल दो दशकों से अधिक समय तक धूल चाटती रही। पुराने मामलों को संभालने के लिए प्रशिक्षित, दिल्ली पुलिस के उत्तरी जिले की एक टीम ने अगस्त 2021 में इस पर काम शुरू किया। एक साल बाद, सुनीता को दिल्ली पुलिस का फोन आया और उन्हें तुरंत लखनऊ पहुंचने के लिए कहा गया।

दिल्ली पुलिस ने 50 वर्षीय एक व्यक्ति को पकड़ा था, जिसके बारे में उनका मानना था कि वह सुनीता के पति का हत्यारा है। पुलिस चाहती थी कि सुनीता संदिग्ध की पहचान की पुष्टि करे। अपने बेटे सनी (24) के साथ पहुंची सुनीता ने पुलिस को पुष्टि की वह आदमी रामू ही है और बेहोश हो गई। पुलिस उपायुक्त (उत्तरी जिला) सागर सिंह कलसी ने पीटीआई-को बताया, ''महिला ने न्याय पाने की सभी उम्मीदें खो दी थीं। मामले में तब उम्मीद जगी जब हमारी पुलिस टीम ने इस पुराने मामले पर काम करना शुरू किया। लेकिन यह इतना आसान नहीं था क्योंकि बहुत समय बीत चुका था।''

अधिकारी ने 25 साल पुराने मामले को सुलझाने के लिए चार सदस्यीय टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसके पास हत्या का कोई चश्मदीद गवाह नहीं था, आरोपी की कोई तस्वीर नहीं थी ना ही उसके ठिकाने का कोई सुराग था। कलसी ने कहा कि टीम में उप निरीक्षक योगेंद्र सिंह, हेड-कॉन्स्टेबल पुनीत मलिक और ओमप्रकाश डागर, निरीक्षक सुरेंद्र सिंह के तहत काम कर रहे थे और सहायक पुलिस आयुक्त (संचालन) धर्मेंद्र कुमार उनके मार्गदर्शक थे। डीसीपी कलसी ने कहा, ''टीम के लिए यह बेहद नाउम्मीद वाली जांच थी जहां वे कई महीनों तक एक महत्वपूर्ण सुराग पाने की तलाश में

जुटे रहे। इस दौरान, टीम के कर्मी दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जांच के लिए कई मौकों पर पहचान बदलकर रहे।''

कलसी ने कहा कि जब टीम दिल्ली के उत्तम नगर गई, तो कर्मियों ने खुद को जीवन बीमा एजेंट बताया, जहां उन्होंने रामू के एक रिश्तेदार को उनके मृतक परिजनों के लिए पैसे की मदद करने के बहाने खोज निकाला। उन्होंने कहा कि टीम उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के खानपुर गांव में भी उसी तरीके से पहुंचने में सफल रही, जब वह रामू के रिश्तेदारों से मिली। अधिकारी ने कहा कि फर्रुखाबाद में पुलिस को रामू के बेटे आकाश के मोबाइल नंबर का पता चला। आगे के प्रयासों के कारण पुलिस टीम आकाश के एक फेसबुक अकाउंट तक पहुंची, जिसके माध्यम से उसके लखनऊ के कपूरथला इलाके में होने की सूचना मिली।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वनाधिकार और आरटीआई विषय पर आयोजित हुआ 117 वां वेबिनार, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तओम प्रकाश रावत ने वेबीनार को किया संबोधित

कार्यक्रम में सूचना आयुक्तशैलेश गांधी और आत्मदीप भी रहे उपस्थित,सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण पटेल ने अपने जमीनी अनुभव किए साझा।।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वनाधिकार पारदर्शिता और आरटीआई को लेकर 117 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का आयोजन दिनांक 18 सितंबर 2022 को सुबह 11:00 से दोपहर 1:30 के बीच में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तओम प्रकाश रावत, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तआत्मदीप एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण पटेल ने अपने अनुभव और विचार साझा किए।

वनाधिकार से आदिवासियों को मिला उनका वास्तविक अधिकार – पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तओम प्रकाश रावत

कार्यक्रम में सर्वप्रथम संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के विभिन्न पदों पर अपनी सेवा देने वाले ओम प्रकाश रावत ने बताया कि जब वह मध्यप्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के पद पर कार्य कर रहे थे उस समय मध्यप्रदेश की सरकार ने आदिवासियों को उनके अधिकार दिलाने में काफी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि भारतीय वन अधिनियम अंग्रेजों के समय पर लाया गया कानून था जिसके बाद आदिवासियों का काफी शोषण भी हुआ। लेकिन उसके साथ साथ वन क्षेत्र का संरक्षण एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा भी भारतीय वन अधिनियम के अंतर्गत सुनिश्चित हुई थी। श्री रावत ने बताया अंग्रेजों के कानून के कारण जंगली भूभाग में अपना जीवन यापन करने वाले और वन संपदा के आधार पर अपनी रोजी-रोटी चलाने वाले लोगों के अधिकारों का हनन भी होने लगा क्योंकि वह शिक्षित नहीं होते थे और शिक्षा और जागरूकता के अभाव में नियम कानून उन्हें समझ में नहीं आता था जिसकी वजह से उनके ऊपर कई बार झूठे मामले भी दर्ज कर दिए जाते थे जिसके बोझ तले उनका जीवन बर्बाद हो जाता था। इसके बाद इस दिशा में सुधार हुआ और अब जब स्वतंत्र भारत में मानवाधिकार संरक्षण की बात होने लगी उस दिशा में वनाधिकार कानून लाए गए और उनको लागू कराने और इंप्लीमेंटेशन के द्वारा आदिवासियों और जंगलों में निवास करने वाले लोगों को उनके अधिकार दिलाए गए। ओम प्रकाश रावत ने बताया कि वनाधिकार कानून की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें उस गांव और कबीले के लोगों के अधिकार और कानून वही कबीले और गांव के दो तिहाई लोग ही सुनिश्चित करते थे जो ग्राम सभा में विधिवत प्रस्तावित होकर सबडिवीजन और डिस्ट्रिक्ट लेवल पर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाते थे। इन सबसे कम्युनिकेशन का स्तर बेहतर हुआ और जो अशिक्षित और ग्रामीण आदिवासी अपनी बात खड़ी हिंदी और अंग्रेजी बोलने वाले अफसरों के समक्ष नहीं रख पाते थे वह अब अपनी बातें अपने गांव टोले में ही रख कर अपने लिए नियम कायदा बनाते थे यह कानून ग्राम स्वराज का सबसे महत्वपूर्ण कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओम प्रकाश रावत ने वन अधिकार कानून और आरटीआई से जुड़े हुए कई मुद्दों पर प्रकाश डाला और बताया कि वास्तव में आरटीआई और पारदर्शिता का कानून एक महत्वपूर्ण कानून है जिसने आमजन को शक्ति प्रदान की है। श्री रावत ने कहा कि आरटीआई कार्यकर्ताओं के लिए यह आवश्यक है कि वह आदिवासियों के अधिकारों और वनाधिकार कानून से संबंधित वह समस्त अभिलेख और दस्तावेज निकलवाने में आरटीआई दायर करें जिससे यह समस्त जानकारी केंद्रीय स्तर पर जिला मुख्यालय अथवा राज्य सरकार के पोर्टल पर उपलब्ध हो सके जहां से इसे आसानी से प्राप्त किया जा सके। क्योंकि यदि पारदर्शिता बढ़ती है तो सभी को यह पता चलेगा कि कहां किस स्थान पर कितनी जमीन है और उसका अधिकार किसको प्राप्त है साथ में वन संपदा के विषय में भी जानकारी मिलेगी। आज सबसे बड़ी समस्या यही है कि यह सब जानकारी आमजन को साझा नहीं की जा रही है।

आदिवासियों के लिए 20 वर्ष तक कार्य किया और ब्यूरोक्रेसी से बहुत कम सहयोग प्राप्त हुआ – सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण पटेल

कार्यक्रम में अगले वक्ता के तौर पर सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण पटेल ने अपने अनुभव साझा किए और उन्होंने कहा कि हमने छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा आदि जगह पर आदिवासियों के बीच में 20 वर्ष से अधिक कार्य किया है और जमीन से जुड़े हुए मुद्दों को उच्च स्तर तक उठाया है। उन्होंने कहा ऐसे कई बार आया है जहां पर आदिवासियों के साथ सरकार और पूंजीपतियों ने काफी जुल्म किया और उनके अधिकारों का हनन किया जिसे उनके टीम के सदस्यों ने उच्चतम स्तर तक उठाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ओम प्रकाश रावत जैसे अधिकारी बहुत कम मिले हैं जिन्होंने इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को प्रमोट किया हो। उन्होंने कहा कि अधिकतर ऐसे ब्यूरोक्रेट्स मिलते थे जो डेमोरलाइज करने का कार्य करते थे और हतोत्साहित करने के साथ-साथ झूठे मामलों में फंसाने और अनैतिक दबाव देने का प्रयास करते थे जिसकी वजह से उनके अभियान में काफी समस्या पैदा हो रही थी। उन्होंने कहा की इस बाबत कार्य करते समय उनके ऊपर कई बार हमले भी किए गए और सरकारी तंत्र द्वारा उन्हें नक्सल भी घोषित करने का प्रयास किया गया लेकिन वह अपने काम में रुके नहीं और अंत तक लगे रहे जिसमें उन्हें काफी हद तक सफलता भी प्राप्त हुई है।

कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप एवं पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया की वनाधिकार और आदिवासियों के अधिकार से संबंधित मामलों पर सूचना आयोग में पैरवी की और काफी जानकारियां पब्लिक डोमेन में साझा करवाने में मदद की है। सूचना आयुक्तों ने उपस्थित आरटीआई कार्यकर्ताओं को भी इस विषय पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस बीच उपस्थित पार्टिसिपेंट्स ने आरटीआई से संबंधित दर्जनों प्रश्न पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी से पूछे जिसका उन्होंने जवाब दिया।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने किया जबकि सहयोगियों में देवेंद्र अग्रवाल अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा वीरेंद्र ठक्कर पवन द्विवेदी सम्मिलित रहे।